RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

वर्ष : 27 अंक : 91 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 23 मार्च, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

गर्मी का प्रकोप जारी

AQI 500 के खतरनाक स्तर पर

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में गर्मी का असर बढ़ता जा रहा है। आज सुबह का न्यूनतम तापमान 17.16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 34.55 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसमी रिपोर्ट के अनुसार, आज की सापेक्षिक आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 8 प्रतिशत है और हवा की गति 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही है। सूर्योदय सुबह 06.21 बजे हुआ और सूर्यास्त शाम 06.33 बजे होगा।

सोमवार, 24 मार्च 2025 को तापमान में और वृद्धि होगी। न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37.48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कल नमी का स्तर घटकर 6न रह जाएगा, जिससे मौसम और शुष्क हो सकता है।

प्रदूषण का गंभीर खतरा

नोएडा में आज वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 500 तक पहुंच गया है, जो कि 'खतरनाक' श्रेणी में आता है। इस स्तर का प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस स्थिति में सभी नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

सीएम योगी पहुंचे कानपुर, चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन का किया निरीक्षण

कानपुर (एजेंसी।) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज चुन्नीगंज स्थित कन्वेंशन सेंटर और चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। सीएम ने दोनों स्थानों का 20 मिनट में निरीक्षण पूरा कर लिया।

कन्वेंशन सेंटर में मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन ने सीएम को कन्वेंशन सेंटर के निर्माण और उसके प्रयोग के बारे में जानकारी दी। करीब नौ मिनट रुकने के बाद सीएम चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां पर उन्होंने मेट्रो के अधिकारियों से संचालन के संबंध में जानकारी ली।

10 मिनट रुकने बाद सीएम सीधे सरसैया घाट सभागार में समीक्षा बैठक में प्रतिभाग करने पहुंचे है। सीएम के साथ में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, प्रतिभा शुक्ल, सलाहकार अवनीश अवस्थी के साथ अन्य अधिकारी, विधायक और सांसद मौजूद हैं।

निरीक्षण और समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिठूर महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। यहां पर वह विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का हिस्सा बने।

सीएम के दौरे को लेकर कानपुर कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए 2000 से अधिक पुलिसकर्मी, एटीएस कमांडो, पीएसी और अग्निशमन दल तैनात किए गए हैं। ड्रोन और रूफटॉप ड्यूटी भी लगाई गई।

डियर पार्क में फंदे पर झूलते मिले किशोर-किशोरी के शव

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के हौज खास स्थित डियर पार्क में आज सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां एक किशोर और किशोरी के शव पेड़ से लटके मिले। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। आज सुबह पार्क में टहलने आए कुछ लोगों ने एक पेड़ से दो शव लटके हुए देखे। इसके बाद उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस इस घटना को आत्महत्या मानकर जांच कर रही है, लेकिन इसके पीछे की असली वजह क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस कई एंगल से जांच कर रही है, जिसमें प्रेम प्रसंग, पारिवारिक तनाव, मानसिक दबाव और अन्य कारणों को ध्यान में रखा जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही सफदरजंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्राइम टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आज सुबह सफदरजंग थाना क्षेत्र के डियर पार्क में दो शव पेड़ से लटके होने की सूचना मिली। हमने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और उनके परिजनों की तलाश की जा रही है।

सोशल मीडिया पर लाइव आकर महिला ने की आत्महत्या करने की कोशिश

नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर लाइव आकर नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या करने जा रही महिला को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने शनिवार को बचा लिया और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने महिला के स्वजन को सूचना देकर महिला को उनके सुपुर्द किया। उधर, वीडियो इंटरनेट मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना रहा।

इंटरनेट मीडिया पर शनिवार शाम को चार मिनट 36 सेकेंड का एक वीडियो सामने आया। वीडियो की शुरूआत में एक ट्यून बजती दिखाई देती है और कुछ देर बाद महिला भावुक होते सामने आती है और सास, देवर और पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पारिवारिक फर्म, रिलेशन, प्रताड़ित करने, फांसी लगाने व नींद की गोलियां खाने जैसी बात कहती है। महिला ने नींद की दवाईयां खा लेती है। उधर, पुलिस वीडियो का तत्काल संज्ञान लेती है। वीडियो फेज दो थाना क्षेत्र के सेक्टर 110 स्थित एक सोसायटी का होना सामने आता है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि इस मामले में सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। महिला ने विवाद के पति को कमरे से बाहर कर दिया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वह गेट नहीं खोल रही थी। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों की मदद गेट की कुंडी को तोड़ा तो महिला बेड पर बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। महिला को बाहर निकालकर नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सेब से लदा ट्रक अलीगढ़ हाईवे पर टिर्री के ऊपर पलटा, दो की मौत

हाथरस (एजेंसी)। सेब से लदा ट्रक अलीगढ़ हाईवे पर सवारियों से भरी टिर्री के ऊपर पलट गया। हादसे में दो सवारियों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर ट्रक चालक को रेफर कर दिया गया।

एटा की तरफ जा रहा सेब से लदा हुआ ट्रक 23 मार्च की सुबह नौ बजे अलीगढ़ हाईवे पर गांव बिलार के पास आगे जा रही टिर्री के ऊपर पलट गया। नीचे दबने से टिर्री में बैठी सवारियों में से दो की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पलटे ट्रक को सीधा करने के लिए दो हाइड्रो क्रेन लगाई गईं। टिर्री में बैठी सवारियां पलटे हुए ट्रक के नीचे दब गईं। टिर्री में सवार दो मृतकों को बाहर निकाला गया। आशंका जाहिर की जा रही है कि टिर्री में बैठी एकाध सवारी ट्रक के नीचे दबी हुई है। गोपाल पुत्र जानकी दास निवासी गांव नगला जलाल, कन्हैया पुत्र धर्मपाल सिंह नट निवासी गांव गोपी अकराबाद की मौत हो गई है।

बताया जा रहा है की सेब से लदे ट्रक में लगभग 40 टन वजन है। ट्रक एटा की तरफ तेज गति से जा रहा था। सिकंद्राराऊ से अलीगढ़ हाईवे पर 8 किलोमीटर दूर गांव बिहार के पास अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया। इसके बराबर चल रही टिर्री ट्रक के नीचे आ गई।

उत्तराखंड सरकार के तीन साल पूरे

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने किया रोड शो

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर रविवार को तीन साल बेमिसाल की थीम पर राज्यभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रोड शो किया। इसके लिए परेड ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। यहां विभिन्न विभागों ने स्टाल लगाए और विकास योजनाओं के बारे बताया। इस दौरान तीन साल के विकास कार्यों को जनता के सामने रखा गया।

प्रदेश सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर हर जिले में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सांसद, कैबिनेट मंत्री व विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शासन ने इन सभी की जिलेवार सूची जारी करते हुए सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि वे जिलों में कार्यक्रम का आयोजन करेंगे और उनमें शामिल होने वाले मुख्य अतिथियों को अपनी ओर से भी आमंत्रित करें।

सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार सुमन द्वारा इस संबंध में जारी पत्र में रविवार को जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों की सूची जारी की गई है। इसके अनुसार देहरादून में होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि व राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

25 से शुरू होगा शाहबेरी मार्ग का चौड़ीकरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण और मरम्मत का कार्य 25 मार्च से शुरू किया जाएगा। यह सड़क लगभग 3 किलोमीटर लंबी है, जिसे दोनों ओर से डेढ़-डेढ़ मीटर तक चौड़ा किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 20 दिनों में इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस दौरान वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना होगा।

सड़क चौड़ी होने के बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक (गाजियाबाद) तक आना-जाना अधिक सुविधाजनक हो जाएगा और यहां लगने वाले जाम से कुछ हद तक राहत मिलेगी। वर्तमान में शाहबेरी मार्ग की चौड़ाई केवल 3 मीटर के करीब है, जिससे यहां अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा एयरपोर्ट चालू होने के बाद इस मार्ग पर यातायात का दबाव और भी बढ़ेगा। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस सड़क के चौड़ीकरण की योजना बनाई है।

प्राधिकरण के अनुसार, सड़क के दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ाई बढ़ाने से यह मार्ग दो लेन का हो जाएगा। इससे ग्रेटर

नोएडा वेस्ट की बढ़ती आबादी और ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए सुगम यातायात सुनिश्चित किया जा सकेगा।

शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण के बाद यहां एलिवेटेड रोड का निर्माण भी प्रस्तावित है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) इस परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण और मरम्मत के बाद चारमूर्ति गोलचक्कर पर निर्माणाधीन अंडरपास के कार्य में भी तेजी लाई जाएगी। इस दौरान रूट डायवर्जन के कारण शाहबेरी मार्ग को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, इसलिए इस कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है।

चौड़ीकरण और मरम्मत कार्य के चलते शाहबेरी मार्ग पर 25 मार्च से 20 दिनों तक रूट डायवर्जन रहेगा। यात्री निम्नलिखित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकते हैं। इटेड़ा गोलचक्कर से गाजियाबाद जाने वाले वाहन गौड़ चौक, तिगरी गोलचक्कर, 130 मीटर चौड़ी सड़क गंतव्य।

तिलपता से शाहबेरी होकर गाजियाबाद जाने वाले वाहन एकमूर्ति गोलचक्कर-रोजा चौका-छपरौला रेलवे फाटक-लाल कुआं गंतव्य।

एनएच-24/गाजियाबाद से नोएडा/ग्रेटर नोएडा आने वाले वाहन- विजयनगर बाईपास-130 मीटर चौड़ी सड़क-तिगरी गोलचक्कर-गौड़ चौक-गंतव्य।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (परियोजना) ए.के. सिंह ने कहा, शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण और मरम्मत का कार्य 25 मार्च से शुरू होगा और इसे 20 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और यातायात सुगम होगा। प्राधिकरण शहर की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली/नोएडा। दिल्ली सरकार ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) तक इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने का फैसला किया है। यह योजना दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुए समझौते (एमओयू) के तहत लागू की जाएगी। इससे उन यात्रियों को राहत मिलेगी जो दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक आसान और सस्ती परिवहन सेवा की तलाश में हैं।

सरकार इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करेगी, जिसके पहले चरण में 6 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। ये बसें दिल्ली के तीन मुख्य बस अड्डों से सीधे जेवर एयरपोर्ट जाएंगी। सराय काले खां, आनंद विहार, कश्मीरी गेट से इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण मई 2025 तक पूरा होने की संभावना है। सरकार इसी समय तक दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की योजना बना रही है।

काम बनाम काम नहीं

बलिदानों का भी विभाजन संभव है, लेकिन आज की सियासत ने यह करिश्मा भी दिखाना शुरू किया है। हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र ने चर्चा की चुनरी ओढ़ा कर बलिदान में भी राजनीति के रंग देख लिए। बात नेताओं के नाम पर योजनाएं चलाने पर भी पहुंची, तो तमाम शिलान्यास पट्टिकाएं उलझ गईं। इसी संदर्भ में अटल बिहारी वाजपेयी का मनाली से रिश्ता भी सुर्खरु रहा। यहां नाम बनाम नाम तो बना, लेकिन काम बनाम काम नहीं हुआ। बेशक अटल सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर आज हिमाचल को दवाइयों का हब बना दिया या कभी इंदिरा गांधी ने पूर्ण राज्यत्व का दर्जा देकर प्रदेश को आगे बढऩे का रास्ता दिखा दिया था। बहरहाल योजनाओं के नामकरण में कई राजनीतिक हस्तियां गूंज रही हैं, लेकिन हिमाचल के नायक को सम्मान नहीं मिला। हिमाचल के अपने नायक का किस राष्ट्रीय संस्थान के साथ नाम चस्पां हुआ। बजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ मंगल पांडे से पहले विद्रोह किया था, लेकिन इस ऐतिहासिक तथ्य को आज तक सम्मान नहीं मिला। योद्धा के रूप में जोरावर सिंह ने पूरे उत्तर भारत की हर फतह में अपना शीर्ष स्थान साबित किया, लेकिन हिमाचल ने इन्हें कहां याद रखा। यह दीगर है कि विधायक सुधीर शर्मा के प्रयास से धर्मशाला में जोरावर सिंह की शौर्यगाथा कहती मूर्ति स्थापित हुई है। स्वतंत्रता सेनानियों की एक लंबी फेहरिस्त हिमाचल के विभिन्न आंदोलनों में आजादी के परवानों ने लिखी, लेकिन राजधानी शिमला के किस कोने में हमें क्रांतिकारी वीरों के नाम चिन्हित नजर आते हैं। विधायक संजय रतन के पिता व स्वतंत्रता सेनानी बोर्ड के अध्यक्ष रहे स्व. पंडित सुशील रतन ने एक राज्य स्तरीय स्वतंत्रता सेनानी स्मारक के शिलालेख धर्मशाला में लिखे, लेकिन आज तक यह परियोजना सामने नहीं आई। हिमाचल ने देश के लिए कुर्बानियों के कई इतिहास लिखे और इनमें देश के नाम पहला परमवीर चक्र अर्जित करने वाले मेजर सोमनाथ का नाम उल्लेखनीय हो जाता है, लेकिन इस योद्धा के नाम पर क्या हमने कोई सैन्य प्रशिक्षण अकादमी या कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज बना दिया। दो बड़ी बांध परियोजनाएं कांगड़ा और बिलासपुर में राष्ट्रीय निर्माण में मानवीय बलिदान को अनुपम बनाती हैं, लेकिन इनका नामकरण किसी भी हिमाचली नायक के साथ नहीं होता। अगर हमें इतिहास के गौरवमय क्षण याद होते तो पौंग बांध के साथ बजीर राम सिंह पठानिया और बिलासपुर की गोद में बांध का नाम जोराबर सिंह के साथ जुड़ता। बलिदान को किसी नाम के सहारे की जरूरत नहीं, लेकिन राष्ट्र हित के नाम पर कुर्बान हुए तमाम लोगों को याद करने के कारण शाश्वत हैं। विडंबना यह है कि हमारी प्रगति के आयाम सियासी मूर्तियां धारण करने लगे हैं। विकास का चरित्र राजनीतिक पार्टियों के बीच बंटने लगा है। हमारे शिक्षण-चिकित्सा संस्थान अब अपने सियासी तमगों के पीछे मुंह छिपाते बढ़ रहे हैं। अगर हम पूछें कि प्रदेश के सबसे बड़े डाक्टर या सर्जन कौन हुए, तो कई लोग बगलें झांकते हुए मिलेंगे। बलिदान तो उन कर्मचारियों का भी गिना जाना चाहिए जो विद्युत आपूर्ति को संभव बनाते-बनाते अपनी ईहलीला समाप्त कर लेते हैं। जोखिम भरे कार्यों में जान गंवाने वालों के नाम भी तो कर्म की परिभाषा का संरक्षण जरूरी है। आज तक हमने किसी शिक्षाविद के नाम कालेज या किसी चिकित्सक के नाम अस्पताल या मेडिकल कालेज नहीं देखा, लेकिन हिमाचली नेताओं के नाम अब शिक्षण व चिकित्सा संस्थान के साथ एक विरासत के रूप में होने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह कि आधे अधूरे भवनों पर नेताओं का नाम चस्पां करके सत्ता के खिलौने बिकने लगे हैं। धर्मशाला के बस स्टैंड के बुरे हाल के बावजूद अगर वहां इसे नेता को समर्पित करके रोशन किया गया है, तो यह अपमान है या राजनीति इतनी दरिद्र हो चुकी है। ऊना में एक ऑडिटोरियम को लता मंगेशकर के नाम करके एक अच्छा कार्य हुआ है, लेकिन हर इमारत का यह भाग्य कहां। प्रदेश को अपने अतीत के इतिहास में झांकने, शौर्य को मापने व सांस्कृति को अपनाने के लिए नायकों को बार-बार याद करना होगा। हर नायक सरहद पर या किसी युद्ध में नहीं मिलेगा, बल्कि कई बांसुरी वादन, तो कई रंगों के साथ किसी चित्रकला में मिल जाएंगे। बेशक कोई नायक राजनीति में भी निकल आएगा, लेकिन हर नेता नायक नहीं हो सकता। प्रदेश की अमानत में शिमला के रिज मैदान पर, वाईएस परमार के साथ वीरभद्र सिंह की मूर्ति गौरवशाली हो सकती है, लेकिन हर मूर्ति को शिमला में अवतरित करने का तर्क हमेशा सही नहीं हो सकता।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वहाँ शिवजी के दो गण भी थे। वे सब भेद जानते थे और ब्राह्मण का वेष बनाकर सारी लीला देखते-फिरते थे। वे भी बड़े मौजी थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जेहिं समाज बैठे मुनि जाई। हृदयँ रूप अहमिति अधिकाई॥
तहँ बैठे महेस गन दोऊ। बिप्रबेष गति लखइ न कोऊ॥

नारदजी अपने हृदय में रूप का बड़ा अभिमान लेकर जिस समाज (पंक्ति) में जाकर बैठे थे, ये शिवजी के दोनों गण भी वहीं बैठ गए। ब्राह्मण के वेष में होने के कारण उनकी इस चाल को कोई न जान सका॥

करहिं कूटि नारदहि सुनाई। नीकि दीन्हि हरि सुंदरताई॥
रीझिहि राजकुअँरि छबि देखी। इन्हहि बरिहि हरि जानि बिसेषी॥

वे नारदजी को सुना-सुनाकर, व्यंग्य वचन कहते थे- भगवान ने इनको अच्छी सुंदरता दी है। इनकी शोभा देखकर राजकुमारी रीझ ही जाएगी और हरि (वानर) जानकर इन्हीं को खास तौर से वरेगी॥

मुनिहि मोह मन हाथ पराएँ। हँसहिं संभु गन अति सचु पाएँ॥
जदपि सुनहिं मुनि अटपटि बानी। समुझि न परइ बुद्धि भ्रम सानी॥

नारद मुनि को मोह हो रहा था, क्योंकि उनका मन दूसरे के हाथ (माया के वश) में था। शिवजी के गण बहुत प्रसन्न होकर हँस रहे थे। यद्यपि मुनि उनकी अटपटी बातें सुन रहे थे, पर बुद्धि भ्रम में सनी हुई होने के कारण वे बातें उनकी समझ में नहीं आती थीं (उनकी बातों को वे अपनी प्रशंसा समझ रहे थे)॥

(क्रमशः...)

मुस्लिम आरक्षण का मोह नहीं छोड़ पा रही है कांग्रेस

कांग्रेस ने शायद ठान ली है कि चाहे कुछ भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े पर वोट बैंक के लिए मुसलमानों से प्रेम कम नहीं होने वाला। ऐसे ही कारणों से कांग्रेस न सिर्फ केंद्र की सत्ता से बल्कि ज्यादातर राज्यों में भी सत्ता से बाहर है। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस के कथित मुस्लिम प्रेम ने भारतीय जनता पार्टी का सत्ता का रास्ता आसान कर दिया। कांग्रेस की इस नीति ने खुद को तो दरबदर कर ही दिया, इससे देश के मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया। मुसलमानों को बेवजह देश के प्रति वफादारी जाहिर करने पर मजबूर होना पड़ा। भाजपा ने कांग्रेस के जरिए मुसलमानों को भी घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। ऐसे में बेवजह राजनीति में घसीटे गए मुसलमानों की मुश्किलें बढ़ गईं। मुसलमान कांग्रेस के दिखावटी वोट प्रेम का विरोध नहीं कर सके और भाजपा के निशाने पर आ गए।

कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता। जबकि लंबे वक्त तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी टेंडर में अब टेंडर भरने वाले मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट मीटिंग इस प्रस्ताव को मंजूर भी कर लिया। इससे एक करोड़ रुपये तक की निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया। कांग्रेस के इस फैसले से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। कर्नाटक सरकार के इस निर्णय ने भाजपा को कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ फिर से नया हथियार थमा दिया। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव राहुल गांधी के पूर्ण संरक्षण में पारित किया गया है। हम यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार का कदम राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है। ऐसा नहीं है कि कर्नाटक के जरिए देशभर के मुसलमानों के प्रति मोहब्बत दर्शाने का कांग्रेस का यह पहला मौका है, इससे पहले भी कर्नाटक में मुस्लिमों के आरक्षण को लेकर विवाद रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आरक्षण का लाभ देने के लिए मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग की लिस्ट में शामिल किया था। सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी लिस्ट में जगह दी। हालांकि, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि इस फैसले ने सामाजिक न्याय के सिद्धांत को कमजोर कर दिया है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, कर्नाटक राज्य में मुस्लिम की जनसंख्या 12.32 फीसदी है और उसे राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा हासिल है। मध्य प्रदेश की चुनावी रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हुए कहा था कि एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है।

कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता।

विवाद बढ़ा तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह दावा करना कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से मुसलमानों को आरक्षण ट्रांसफर कर दिया, एक सरासर झूठ है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा अभी भी मुसलमानों के लिए कोटा के अपने समर्थन पर कायम हैं या नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

गौरतलब है कि यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल ने कर्नाटक में लागू किया था। दिलचस्प बात यह है कि देवगौड़ा की जद (एस) अब बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। कर्नाटक सरकार के 14 फरवरी, 1995 के एक आदेश में जिक्र किया गया जिसमें बताया गया कि यह निर्णय चिन्नप्पा रेड्डी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है और आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करता है। कांग्रेस ही नहीं किसी न किसी बहाने मुस्लिम वोट बैंक पर गैरभाजपा दलों की भी खीचतान रही है। विपक्षी दलों का प्रयास रहा है कि किसी भी तरह यह अल्पसंख्यक वोट बैंक छिटकना नहीं चाहिए, यही वजह है कि साफ तौर पर धर्म के आधार पर आरक्षण को राजनीति का मोहरा बनाया गया। केरल में ओबीसी को 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को नौकरियों में 8 प्रतिशत और उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत कोटा प्रदान किया गया। तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय की 95 प्रतिशत जातियां शामिल हैं। इसी तरह बिहार में ओबीसी को 32 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। आंध्र प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पश्चिम बंगाल में कुछ मुस्लिम जातियों को शामिल किया गया लेकिन अलग से कोटा नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश में भी 2005 में मायावती सरकार ने 18 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण का प्रस्ताव रखा, लेकिन कोर्ट ने रोक दिया। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण आरक्षण का प्रावधान कानूनी है। इसकी भी सीमा है। सुप्रीम कोर्ट ने 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण के मामलों को खारिज किया है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों का आरक्षण के प्रति लोभ संवरण कम नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल आरक्षण के जरिए वाकई मुसलमानों का भला चाहते हों, दरअसल इनकी नीयत में खोट है। यह खोट वोट बटोरने का है। क्षेत्रीय दलों का राजनीतिक दायरा एक या दो राज्यों से अधिक नहीं है, किन्तु कांग्रेस का नेटवर्क देशभर में है। ऐसे में मुस्लिमों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस को सर्वाधिक राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी है। भाजपा ने इसी आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण किया है। पता नहीं यह बात कांग्रेस को कब समझ आएगी कि देश के बहुसंख्यक वोट बैंक को नाराज करके देश की सत्ता किसी भी सूरत में हासिल नहीं की जा सकती। कांग्रेस जब तक तुष्टिकरण की नीति का त्याग नहीं करेगी, तब तक भविष्य में सत्ता तक पहुंचना उसके लिए आसान नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

बंगाल की सभी सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी कांग्रेस

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने का टास्क दे दिया है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं को पश्चिम बंगाल में जनाधार और संगठन को मजबूत करने की सलाह दी है।

दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में बुधवार को खरगे की अध्यक्षता और राहुल गांधी एवं केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में हुई बैठक में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार, वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और दीपा दासमुंशी सहित बंगाल कांग्रेस के कई अन्य बड़े नेता शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत बनाने की कांग्रेस की कवायद के साथ ही यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान किसको होगा? क्या कांग्रेस के मजबूत होने का खामियाजा पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उठाना पडेगा? या फिर कांग्रेस की मजबूती से भाजपा को नुकसान उठाना पडेगा,जो ममता बनर्जी विरोधी मतों के सहारे राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रही है।

इसके लिए हमें वर्ष 2016 और वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करना प?गा। वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी ब?तरी हुई। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 48.5 प्रतिशत वोट हासिल कर टीएमसी ने 213 सीटों पर कब्जा जमाया था। बीजेपी के प्रदर्शन की बात करें तो 2016 में राज्य की 291 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के खाते में सिर्फ 3 सीटें ही आ पाई थी और मत भी 10.3 प्रतिशत ही मिल पाया था। वहीं उस चुनाव में लेफ्ट पार्टियों के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस ने 12.4 प्रतिशत मत के साथ 44 सीटें जीती थी।

2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन सबसे ज्यादा शर्मनाक रहा। जबकि भाजपा के शानदार प्रदर्शन ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। पिछले चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत 12.4 प्रतिशत से घटकर महज 3 प्रतिशत रह गया और पार्टी के खाते में एक भी सीट नहीं आ पाई। वहीं भाजपा का मत प्रतिशत 10.3 प्रतिशत से ब?कर 38.5 प्रतिशत पर पहुंच गया और सीटों की संख्या भी 3 से बढ़कर 77 पर पहुंच गई।

आंकड़े यह साफ-साफ बता रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अगर मजबूत होती है तो इसका खामियाजा भाजपा को भी उठाना पड़ सकता है। ममता बनर्जी के बारे में यह मान कर चला जा रहा है कि मुसलमानों की बड़ी आबादी मजबूती से उनके साथ खड़ी है और लाभार्थी हिंदुओं का साथ हासिल करने के बाद वह और भी ज्यादा मजबूत हो जाती है। ऐसे में अगर कांग्रेस के वोटों का आंकड़ा 3 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत को पार कर जाता है तो इसका नुकसान प्रारंभिक तौर पर भाजपा को ही होगा। लेकिन अगर कांग्रेस अगड़ी जातियों और मुसलमानों के अपने पुराने वोट बैंक को वापस ला पाने में थोड़ा बहुत भी कामयाब हो जाती है और 15 प्रतिशत के आसपास वोट हासिल कर लेती है तो फिर इसका नुकसान ममता बनर्जी को उठाना पड़ सकता है।

- संतोष पाठक

व्यंग्य

सख्त मना है

विकसित मोहल्ले के बीच सुन्दर पार्क बना हुआ है। किस्म किस्म के वृक्ष लगे हुए हैं। फव्वारे हैं लेकिन चल नहीं पाते। कई जगह नोटिस लगा है कि शराब पीना मना है। सख्त मना नहीं है इसलिए चुपचाप पी सकते हैं। पार्क के अन्दर एक तरफ गंदा पानी फैला हुआ है। सैर करने वाले रास्ते पर घास उगी हुई है जिसमें से बदबू आ रही है। पानी से फिसलन रहती है और लापरवाही हो जाए तो फिसल जाते हैं। सूखा कूड़ा और गीला कूड़ा वाले कूड़ेदान जमीन में फंसाए हुए हैं। दुखी हैं क्यूंकि कूड़ा कचरा बाहर पड़ा है। आवारा कुत्ते भौंक रहे हैं। फूल तोड़ना मना का बोर्ड है हालांकि बेचारे पौधे सूखे पड़े हैं। उन्हें कोई पानी देने वाला नहीं है, यदि होगा तो उचित अंतराल पर नहीं देता। कितने पौधे जो संभावित वृक्ष थे, दम तोड़ चुके हैं। एक बार मिटटी खोद कर उसमें टिका दिया और भूल गए।

पार्क में प्रवेश के निकट दोनों तरफ बोर्ड लगे हुए हैं। एक बोर्ड तो तीन भाषाओं में है, सबसे पहले अंग्रेजी में है, क्यूंकि हमारे देश में ज्यादातर वासी अंग्रेजी पसंद करते हैं। हिंदी भी अंग्रेजी में पढ़ाई जाती है। अंग्रेजी आए न आए, समझ लेते हैं और बोलना गर्व समझते हैं। वैसे भी स्मार्ट सिटी में लगा बोर्ड है तो यहां के अधिकांश निवासियों को अंग्रेजी ज्यादा आती होगी। इसलिए स्पेलिंग्स की दो चार गलतियों का बुरा नहीं मानते। फिर हिंदी में भी काफी कुछ सख्त मना किया गया है। एक और भाषा में लिखवाया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सख्त मनाही का सन्देश पहुँच सके। बोर्ड के पास, बोरी में कबाड़ भर कर फेंक रखा है। ईंटों और कंक्रीट के टुकड़े फेंके हुए हैं। चिप्स, पालिथीन के पुराने गंदे लिफाफे, मिटटी पड़ी है। ठेकेदार ने फर्श की घटिया किस्म की मरम्मत की हुई है।

दूसरे बोर्ड पर सबसे पहले कुत्ते की फोटो छापी है। यह भी सख्त मना करने वाला बोर्ड है, जिसके आदेशानुसार पालतू कुत्तों को पार्क में ले जाना सख्त मना है। आवारा कुत्तों को रोटी या ब्रेड खिलाना सख्त मना है। वैसे आवारा कुत्ता प्रेमी, आवारा कुत्तों को पनीर नहीं खिलाते, बासी रोटी या ब्रेड ही खिलाते हैं। पार्क में गंदगी फैलाना सख्त मना है। लिखा है, उल्लंघन करने पर पांच सौ रूपए जुर्माना किया जाएगा। भ्रष्टाचार, झूठ बोलना, बहकाना, फुसलाना, धमकाना, पीटना, धोखा देना बारे कहीं नहीं लिखा कि सख्त मना है ।

पार्क के टॉयलेट पर चार छोटे आकर्षक पोस्टर लगे हैं। जिनमें, 'शहर का एक ही नारा, नंबर एक हो शहर हमारा', 'हमारा शहर, हमारा स्वाभिमान' जैसे नारे लिखे हैं। जिम्मेदार लोगों के नाम हैं, फोन नंबर नहीं क्यूंकि आम लोगों द्वारा शिकायत करना सख्त मना है। **- संतोष उत्सुक**

राशिफल

चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। लिक्विड फंड में बढ़ोतरी होगी। वाणी से लोगों का दिल जीत लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य में सुधार।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। शत्रु भी मित्रवत कोशिश करेंगे। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा। धार्मिक यात्रा हो सकती है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शादी-ब्याह तय हो सकता है। नवप्रेम का आगमन हो सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए बहुत अच्छा समय। कवियों के लिए अच्छा समय।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बनेंगे। घर में कोई शुभ संस्कार हो सकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य में सुधार। पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा।

बिहार दिवस पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' स्नेह मिलन कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

नोएडा। बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, नोएडा महानगर एवं जिला गौतमबुद्ध नगर द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन नोएडा सेक्टर-63 के सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और बिहार के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद संजय जयसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नोएडा के विधायक व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह एवं दादरी विधायक तेजपाल नागर रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रवासी बिहारीजन, भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बिहार की संस्कृति, प्रवासी बिहारीजनों के योगदान और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अभियान राष्ट्र की एकता और श्रेष्ठता को समर्पित है, जिससे विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय मजबूत हो और राष्ट्रीय एकता को बल मिले।

सांसद संजय जयसवाल ने प्रवासी बिहारीजनों से आग्रह किया कि वे आगामी बिहार चुनाव में अहम भूमिका निभाते हुए अपने परिजनों को भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बिहार ने भारत के गौरवशाली इतिहास को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह राज्य सदियों से राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक व आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र रहा है।

विधायक पंकज सिंह ने अपने संबोधन में बिहार और नालंदा की सांस्कृतिक विरासत पर जोर दिया। उन्होंने नोएडा में बसे प्रवासी बिहारीजनों से अपील की कि वे बिहार में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपने परिवार और परिचितों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत में प्रवासी बिहारीजनों ने अहम भूमिका निभाई है, और अब बिहार में भी वैसी ही जीत सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है, और इस विकास में बिहार के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। बिहार सृजनकर्ता राज्य रहा है, जो स्वयं तपता है लेकिन उसका लाभ पूरे समाज तक पहुँचता है।

कार्यक्रम का नेतृत्व व संचालन नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान एवं गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने किया।

महेश चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार के लोगों ने शिक्षा, आईटी, नौकरशाही, व्यवसाय, मीडिया, निर्माण कार्य और अन्य क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रवासी बिहारियों के योगदान को भारत की प्रगति का अभिन्न हिस्सा बताया।

इस कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष बिहार शैलेंद्र मिश्रा, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व विधायक विमला बाथम, सुषमा सिंह, राकेश शर्मा, जुगराज चौहान, उमेश त्यागी, मनीष शर्मा, युद्धवीर चौहान, विनोद त्यागी, अमित त्यागी, महेश अवाना, गिरिजा सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, गिरीश कोटनाला, विनोद शर्मा, राजकुमार झा, प्रमोद बहल, अमरीश त्यागी, चमन अवाना, उमेश यादव, ओमवीर अवाना, रामनिवास यादव, राजिंदर अवाना, प्रदीप चौहान, मनीष तिवारी, रामकिशन यादव, गौतम शर्मा, दिनबंध, सत्यनारायण महावर, नीरज चौधरी, प्रज्ञा शर्मा, सुचित्रा पाठक, शिवांश श्रीवास्तव, भूपेश चौधरी, मुक्तानंद शर्मा, रामेश्वर यादव, पिंटू यादव, गोपाल गौड़, पंकज झा, बबलू यादव, अशोक मिश्रा, नरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधान परिषद संसदीय अध्ययन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

गाजियाबाद (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की बैठक विकास भवन, गाजियाबाद के दुर्गावती देवी सभागार में समिति के सभापति सुरेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद एवं बागपत के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

विकास भवन पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर सभापति सुरेंद्र चौधरी का सम्मान किया गया। बैठक से पूर्व अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर समिति सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक में वर्तमान सरकार के गठन के बाद से अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। समिति ने ग्राम्य विकास, नगर विकास, लोक निर्माण, पंचायती राज, सिंचाई, शिक्षा, चिकित्सा, ऊर्जा, समाज कल्याण, राजस्व, आबकारी, पशुपालन, खाद्य एवं रसद, पर्यटन एवं अन्य विभागों द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विश्लेषण किया।

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि विभिन्न विभागों को जनप्रतिनिधियों के कितने पत्र प्राप्त हुए, उनका निस्तारण कैसे और कब हुआ। अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्राप्त पत्रों में से अधिकांश का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा चुका है, जबकि कुछ पत्रों को उच्च अधिकारियों को भेजा गया है।

बैठक के दौरान सभापति सुरेंद्र चौधरी ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सभी सीएचसी व पीएचसी केंद्रों का निरीक्षण कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में दवाइयों की सूची चस्पा करने के भी निर्देश दिए गए। राजस्व अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए गए, ताकि आम जनता का शोषण न हो। निराश्रित गौवंशों की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया। विद्यालयों का निरीक्षण कर छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता जांचने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ 100 प्रतिशत छात्रों तक पहुँचाने पर जोर दिया गया। खाद्य अधिकारियों को त्योहारों एवं सामान्य दिनों में खाद्य पदार्थों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए, ताकि उपभोक्ताओं को मिलावटी भोज्य पदार्थों से बचाया जा सके। सभापति ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने की सलाह दी और सभी विभागों के कार्यों की सराहना की।

बैठक में विधान परिषद समिति के सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, श्रीचंद शर्मा, अपर निजी सचिव विकास यादव, समीक्षा अधिकारी सौरभ दीक्षित सहित विभिन्न जिलों के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

चार बच्चों की मां ने प्रेमी से औलाद का सुख न मिलने पर पड़ोसन की चुरा ली बच्ची, दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को जब उसे प्रेमी से औलाद का सुख नहीं मिला तो दोनों ने एक योजना के तहत पड़ोसी में रहने वाली एक महिला की डेढ़ वर्षीय बच्ची को चुरा लिया, और फरार हो गई। महिला अपने पति और 4 बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ रह रही थी।

इस मामले में आज थाना बिसरख पुलिस ने तिगरी गांव से एक महिला की डेढ़ वर्षीय बच्ची को चुराने वाले महिला व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि यूसुफपुर चक शाहबेरी गांव में रहने वाली रीता नामक महिला ने थाना बिसरख पर तहरीर देकर सूचना दी थी कि उसके साथ 14जी एवन्यू गौर सिटी, में सफाई का कार्य करने वाली रेनू व दिनेश उसकी डेढ़ वर्षीय पुत्री को बिना बताये किसी अज्ञात स्थान पर लेकर चले गये है। वादिया की तहरीर के आधार पर थाना बिसरख ने मुकदमा दर्ज कर अपहृता बच्ची की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस टीम का गठन किया।

उन्होंने बताया कि उक्त अभियोग में गठित टीम के द्वारा घटनास्थल के आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया गया जिसमें अभियुक्ता रेनू अपहृता बच्ची को अपनी गोद में लेकर जाती हुई दिखायी दी। पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस व लोकल इंटेलीजेंस के माध्यम से जानकारी प्राप्त कि गयी तो ज्ञात हुआ कि रेनू व दिनेश पूर्व में भट्टों पर ईंट पाथने का काम करते थे।

इस जानकारी के आधार पर गठित टीम के द्वारा जनपद कासगंज, जनपद अलीगढ व इगलास क्षेत्र के भट्टे व जनपद सन्त कबीरनगर में धनघटा क्षेत्र के भट्टे व जनपद गाजियाबाद के भीकनपुर क्षेत्र के भट्टे व राजस्थान में माजरी क्षेत्र के भट्टे व हरियाणा के रेवाडी के भट्टों व जिला भिवाणी के भट्टों पर गहनता से खोजबीन करते हुए तलाश की गयी। जिस पर जानकारी मिली कि कुछ दिन पहले खोडी, जिला भिवानी, राज्य हरियाणा में एक महिला व एक पुरुष एक छोटी बच्ची को लेकर आये है और यहां पर काम कर रहे है तथा अपना सामान लेने के लिये आज नोएडा गए है।

उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर आज थाना बिसरख पुलिस द्वारा अपहृतकर्ता रेनू व दिनेश को आम्रपाली रिवर्र व्यू सोसायटी, बिसरख से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से अपहृता बच्ची को सकुशल बरामद किया गया।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ में अभियुक्ता रेनू से ज्ञात हुआ कि रेनू उम्र 44 वर्ष की शादी करीब 25 साल पहले राजवीर उम्र करीब 50 वर्ष निवासी नगला जार, थाना इगलास, अलीगढ़ के साथ हुई थी। राजवीर से रेनू को 4 बच्चे है। करीब 4 साल पहले रेनू की मुलाकात जनपद अलीगढ में अपने देवर की शादी में दिनेश उम्र लगभग 28 वर्ष से हुई और दोनों के मध्य प्रेम संबंध स्थापित हो गये।

जिस पर रेनू अपने पति व बच्चों को छोडकर दिनेश के साथ नोएडा में आकर बतौर पति-पत्नी निवास करने लगे तथा रेनू 14जी एवन्यू गौर, सिटी बिसरख में साफ-सफाई का कार्य करने लगी। जहां पर उसकी मुलाकात अपहृत बच्ची की माता से हुई। अभियुक्ता रेनू का बच्ची की माता के घर आना जाना हो गया। दिनेश से रेनू को कोई बच्चा पैदा नहीं हो रहा था, जिस कारण दिनेश व रेनू ने मिलकर योजना बनाकर बीते 16 मार्च 2025 को सुबह जब बच्ची की माता काम पर चली गयी तो रेनू मौका पाकर बच्ची को लेकर दिनेश के साथ चली गयी और हरियाणा में जाकर ईंट के भट्टे पर काम करने लगी।

दोनों भट्टों पर बनी झुग्गियो में छुपकर वहीं रहने लगे तथा पुलिस से बचने के लिये अपने पुराने मोबाइल व सिम को तोड़कर फेंक दिया। उन्होंने बताया कि बच्ची को सकुशल बरामद करने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने 25 हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की है।

मंडोली जेल के डॉक्टर ने ठग सुकेश को घड़ी बांधने की दी अनुमति

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर के लिए हाथ घड़ी बांधने की अनुमति देना जेल अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल अफसर (आरएमओ) को भारी पड़ गया।

डॉ. आर राठी को उनकी नौकरी के आखिरी दिन गत 28 फरवरी को जेल प्रशासन ने निलंबित कर दिया। डॉक्टर ने जेल अधिकारियों को जानकारी दिए बिना ही सुकेश को घड़ी के लिए अनुमति दे दी थी। जेल प्रशासन ने निलंबन की पुष्टि करते हुए कहा कि विभागीय जांच की जा रही है आखिर डॉक्टर ने अनुमति क्यों दी।

जेल सूत्रों ने बताया कि दवा कंपनी रैनबैक्सी के पूर्व मालिक शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति से 200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में सुकेश वर्ष 2017 से जेल में बंद है। वर्ष 2023 में इसे तिहाड़ से मंडोली जेल स्थानांतरित किया गया था। जबकि पिछले ढाई वर्षों से डॉ. आर राठी आरएमओ के पद पर मंडोली जेल के अस्पताल में नौकरी कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचनाः NER-LJN-2025-18 से NER-LJN-2025-19 तक

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः–

क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्याः-NER-LJN-2025-18, कार्य का नामः- पूर्वोत्तर रेलवे-लखनऊ मण्डलः- वरिष्ठ मण्डल इंजी०/तृतीय के अधीन सीसेइं/पीवे/बादशाहनगर के अन्तर्गत मलहौर-डालीगंज खण्ड में दोहरीकरण परियोजना के बीच शेष विविध कार्यो को पूरा करना। (रेलपथ कार्य)। अनुमानित लागत (₹)ः 93,75,287.86, अग्रिम धन (₹)ः 1,87,500/-, समापन अवधिः 12 माह।

क्रम सं.-02, ई-निविदा संख्याः-NER-LJN-2025-19, कार्य का नामः- पूर्वोत्तर रेलवे-लखनऊ मण्डलः- डालीगंज-सीतापुर सीसेई/कार्य/बादशाहनगर के अन्तर्गत इटौंझा-अटारिया स्टेशन के बीच लेवल क्रासिंग संख्या 32/सी से लेवल क्रासिंग संख्या 34/सी तक संपर्क सड़क का प्रावधान। अनुमानित लागत (₹)ः 1,86,21,653.68, अग्रिम धन (₹)ः 2,43,100/-, समापन अवधिः 09 माह।

(1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2025-18 से NER-LJN-2025-19 तक के लिये ई-निविदा दिनांक 11-04-2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **(2)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्लू-460 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी विकास की रफ्तार सबसे तेज है। जिससे भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़कर दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे।

एलआईसी ने की हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश की घोषणा

मुंबई। लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए बड़ी घोषणा की है, और इस बार यह केवल जीवन बीमा सेवाओं के लिए नहीं है। एलआईसी अब हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र में भी पहुंचने को तैयार है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि एलआईसी एक और कंपनी के साथ साझेदारी करने जो ?कि प्रक्रिया में है, और 31 मार्च से पहले इस डील की घोषणा हो सकती है। साझेदारी के लिए चयन किया जा रहा है, लेकिन कंपनी का नाम अभी तक रहस्यमय है। मीडिया से बातचीत के दौरान कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि यह संभावित है कि एलआईसी की नई साझाकर्ता मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस हो सकती है।

नीलाम हुआ ट्विटर का आइकॉनिक नीला चिड़िया लोगो

मुंबई। एलन मस्क द्वारा ट्विटर के अधिग्रहण के बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कई पुराने प्रतीकों को हटाया गया। इसी कड़ी में ट्विटर का आइकॉनिक नीली चिड़िया लोगो, जो कभी इसकी पहचान हुआ करता था, 34,375 डॉलर (करीब 29 लाख रुपए) में नीलाम हुआ। यह लोगो सैन फ्रांसिस्को स्थित ट्विटर मुख्यालय पर लगा था और 254 किलोग्राम वजनी व 12 फीट लंबे, 9 फीट चौड़े आकार का था। हालांकि, इसे खरीदने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है। गौरतलब है कि एलन मस्क ने 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर (करीब 3,368 अरब रुपए) में खरीदा था। अधिग्रहण के समय मस्क ने कहा था कि वह फ्री स्पीच को बढ़ावा देने और नए फीचर्स के साथ ट्विटर को एक बेहतर प्लेटफॉर्म बनाने पर काम करेंगे।

अमेरिका ने उतारा दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपनी सैन्य शक्ति को और बढ़ाने के लिए दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47 को पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फाइटर जेट को दुनिया के सामने रखकर उसकी महामारी और अद्भुत क्षमताओं की हस्ताक्षर किए। एफ-47 ने अपने गुप्त रूप से उड़ान भरने की योग्यता और हाई-टेक नेक्स्ट-जनरेशन ड्रोन के साथ काम करने की क्षमता से लोगों को चौंका दिया है। ट्रंप ने बताया कि एफ-47 का यह कॉन्ट्रेक्ट एफ-22 स्टील्थ वॉरप्लेन के रिप्लेसमेंट के लिए है, जो 1980 के दशक में डेवलप किया गया था।

वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स 2025 की दौड में तीन कारें शामिल

नई दिल्ली। वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स 2025 के लिए हुंडई इंस्टर / कैस्पर इलेक्ट्रिक, किआ ईवी3 और पोर्शे मैकन इलेक्ट्रिक को टॉप-3 में जगह मिली है। हुंडई इंस्टर / कैस्पर इलेक्ट्रिक इस लिस्ट में सबसे आगे रही है, जिससे इसके अवॉर्ड जीतने की संभावना बढ़ गई है। हुंडई इंस्टर इलेक्ट्रिक अपने कॉम्पैक्ट डायमेंशन और एसयूवी जैसी स्टाइलिंग के चलते काफी चर्चा में है। इसमें चौड़े रेक्टेंगुलर फ्रंट और रियर बंपर दिए गए हैं, जबकि ब्लैक कलर की क्लैडिंग इसे मजबूत लुक देती है।

डीजीजीआई ने किया 357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट ब्लॉक

- 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा है
- 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं
- बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें
- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के समन्वय में करीब 2,000 बैंक खाते और 4 करोड़ रुपये जब्त किए है

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरूआत से पहले अवैध ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म पर सख्त कार्रवाई की है। वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने 357 वेबसाइट और यूआरएल को ब्लॉक कर दिया है, जबकि 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि जीएसटी खुफिया अधिकारियों ने विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की 357 वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है, जबकि 700 से अधिक संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा है। इसके साथ ही करीब 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं। मंत्रालय ने जनता को विदेशी गेमिंग मंचों से जुड़ने के खिलाफ आगाह भी किया है। मंत्रालय ने कहा कि बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें, तो भी इनसे नहीं जुड़ना चाहिए। डीजीजीआई ने यह कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ समन्वय में कार्य करते हुए आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत की है, जिसमें 357 गैर-अनुपालन वाली गेमिंग वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक कई ऑफशोर गेमिंग संस्थाएं पंजीकरण न करवाकर, कर योग्य भुगतानों को छिपाकर और कर दायित्वों को दरकिनार करके जीएसटी की चोरी भी कर रही हैं। कुछ अवैध गेमिंग प्लेटफार्मों के खिलाफ हाल ही में डीजीजीआई ने प्रतिभागियों से धन एकत्र करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों को अवरुद्ध किया है, जबकि आई4सी और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के समन्वय में करीब 2,000 बैंक खाते और 4 करोड़ रुपये जब्त किए है। इसके अलावा एक अन्य कार्रवाई में इनमें से कुछ अपतटीय संस्थाओं की वेबसाइटों पर पाए गए यूपीआई आईडी से जुड़े 392 बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कर दिया गया है और इन खातों में कुल 122.05 करोड़ रुपये की राशि अस्थायी रूप से जब्त की गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि डीजीजीआई अवैध ऑफशोर गेमिंग संस्थाओं के खतरे से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी आईपीएल सीजन के साथ, अवैध गेमिंग संचालन को रोकने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई अधिक सख्त होगी। जिम्मेदार गेमिंग के लिए जानकारी रखना और विनियमित प्लेटफॉर्म चुनना महत्वपूर्ण है।

गोदरेज कंज्यूमर की तीसरी तिमाही कमजोर रही

मुंबई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) के लिए वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही कमजोर रही। लेकिन कुछ विश्लेषक तीसरी तिमाही को मजबूत बिक्री सुधार की उम्मीद के साथ अपवाद मान रहे हैं और उनकी राय में वित्त वर्ष 2026 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली एफएमसीजी कंपनी साबित हो सकती है। तीसरी तिमाही में लॉन्ड्री, एयर-फ्रेशनर और सेक्सुअल वेलनेस में दो अंकों की वृद्धि साबुन और घरेलू कीटनाशकों में आई गिरावट के आगे फीकी पड़ गई। चौथी तिमाही के बाद साबुन की कीमतों में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। अगरबत्ती की बाजार भागीदारी बढ़ी जबकि लिक्विड वैपोराइजर और लॉन्ड्री लिक्विड पदार्थों का बाजार में दबदबा रहा। साबुन व्यवसाय ने भी बाजार भागीदारी में इजाफा दर्ज किया। लेकिन डिओड्रेंट की बाजार भागीदारी गंवाई। कंपनी का भारतीय परिचालन मुनाफा मार्जिन तीसरी तिमाही में 22.5 फीसदी रहा जो ऐतिहासिक 24-26 फीसदी के दायरे की तुलना में कम है। भारत में अन्य खर्च में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि जीसीपीएल ने ग्रामीण क्षेत्र में निवेश जारी रखा।

मुजफ्फरनगर से 30 मीट्रिक टन गुड़ बांग्लादेश को किया गया निर्यात

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से 30 मीट्रिक टन जीआई-टैग वाले गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात के लिए रवाना की गयी है। यह गुड़ अपने उच्च गुणवत्ता वाले गन्ने के लिए प्रसिद्ध है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा देते हुए 30 मीट्रिक टन गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात की गई है। यह पहल किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश को गुड़ के सीधे निर्यात की शुरूआत का प्रतीक है। इस अवसर पर शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी ने मुजफ्फरनगर और शामली में उत्पादित गुड़ की बेहतर गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। चौधरी ने कहा कि इस गुड़ की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी मांग है। उन्होंने निर्यात को सुविधाजनक बनाने में निरंतर सहयोग के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को धन्यवाद दिया और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में राज्य सरकार के सहयोग के महत्व पर जोर दिया। एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए बीईडीएफ के संयुक्त निदेशक डॉ. रितेश शर्मा ने प्रत्यक्ष कृषि निर्यात के लिए एफपीओ को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कृषि समुदाय को अधिक लाभ मिले।

सेबी ने 10 संस्थाओं पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-प्रामाणिक ट्रेडिंग में शामिल 10 संस्थाओं पर 50 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया। प्रत्येक इकाई पर 5-5 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया, जिनमें सचिन जैन एचयूएफ, मोतीलाल बैद, अजय नोपानी, दिवाकर झा, बागदेवी सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीता आर ठक्कर, काला सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेघा निभवानी, सीताराम जयंती और अमित शॉ शामिल हैं। सेबी ने पाया कि इन संस्थाओं ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 के बीच बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में रिवर्सल ट्रेड्स किए।

बिमटेक ने किया इंडिया स्टडी प्रोग्राम का आयोजन

मुंबई। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, जो भारत के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक है, ने सफलतापूर्वक इंडिया स्टडी प्रोग्राम 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने एफएच वोरार्लबर्ग ऑस्ट्रिया के छात्रों को भारत के समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावसायिक परिदृश्य को बेहद नजदीक से समझने का एक अनोखा अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही छात्रों को सस्टेनेबिलिटी, विविधता और नेतृत्व पर विचारशील चर्चाओं में भाग लेने का भी मौका मिला। 10-दिवसीय इस कार्यक्रम में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के अनुभवी शिक्षकों के साथ संवादात्मक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा शामिल था। इनमें अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क, वसंत विहार, नई दिल्ली; प्रोत्साहन में लैंगिक और बाल विकास पहल; और आगरा किला व ताजमहल का ऐतिहासिक भ्रमण शामिल थे। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से भारत की विरासत, सस्टेनेबिलिटी से जुड़ी चुनौतियों और कॉर्पोरेट सिस्टम को समझने के लिए डिजाइन किया गया था। विचारोत्तेजक शैक्षणिक सत्रों में स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं, समग्र स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रभाव पर व्याख्यान शामिल थे। ध्यान, योग सत्र और छात्रों के बीच परस्पर संवाद ने सीखने की इस यात्रा को और दिलचस्प और समृद्ध बनाया।

विवाह वाइब्स द वेडिंग एडिट और समर फेस्टिव कलेक्शन का उद्घाटन

रांची। फैशन पॉइंट आपके लिए लेकर आया है तीन दिवसीय विवाह वाइब्स - द वेडिंग एडिट और समर फेस्टिव कलेक्शन। जिसका उद्घाटन शनिवार को होटल कैपिटल हिल में नेहा महतो पत्नी सुदेश महतो, पूर्व उपमुख्यमंत्री, झारखंड सरकार), मनीषा सिंह - महिला कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने किया। मेला 24 मार्च तक चलेगा। इस भव्य प्रदर्शनी में देशभर के Lakm¢½f Fashion Week डिजाइनर्स और टॉप ब्रांड्स वेडिंग और समर फैशन के लेटेस्ट ट्रेंड्स पेश किया। प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताएं:

प्रसिद्ध डिजाइनर्स : अभि सिंह, टीनी कोमल और अन्य जाने-माने फैशन डिजाइनर्स।

ब्राइडल और समर कलेक्शन: वेडिंग, ब्राइडल, इंडो-वेस्टर्न और समर फेस्टिव परिधानों की विशाल रेंज।

समर फ्रेंडली एथनिक वियर: चिकनकारी, अजरक, महेश्वरी सिल्क और अन्य खूबसूरत डिजाइन्स।

लक्जरी होम डेकोर और ज्वेलरी: Mother of Pearls होम डेकोर, एक्सक्लूसिव ज्वेलरी और होम लिनेन कलेक्शन।

स्पेशल कलेक्शन: लड्डू गोपाल डिजाइनर ड्रेस और ट्रेंडी पार्टी वियर।

फैशन विजन को दर्शाते हैं टायला, ट्विग्स व कैरोलिन पोलाचेक

एजेंसी

नई दिल्ली। H&M का एस/एस 2025 कलेक्शन स्त्रीत्व को समर्पित है। यह भावनाओं, संवेदनाओं और पहचानों की रोमांचक खोज है। इस नई कैंपेन में प्रेरक फीमेल आइकॉन शामिल हैं, जिनमें मशहूर म्यूज़िशियन टायला, ट्विग्स और कैरोलिन पोलाचेक प्रमुख हैं। यह कलेक्शन और कैंपेन दोनों ही ल&ट के मजबूत फैशन विजन को दर्शाते हैं। साथ ही म्यूज़िक व फैशन के क्षेत्र में बेहतरीन डिजाइन और कोलैबोरेशन को प्रमोट करने की इसकी भूमिका को मजबूत करते हैं। H&M का एस/एस 2025 कलेक्शन 20 मार्च 2025 से स्टोर्स और ऑनलाइन उपलब्ध होगा। इस कलेक्शन को दो चैप्टर्स में लॉन्च किया जाएगा, जो एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन अपनी अलग-अलग शैली और नजरिया पेश करते हैं। दोनों मिलकर आधुनिक स्त्रीत्व के बहुआयामी स्वरूप को सम्मान देते हैं। कलेक्शन का पहला हिस्सा एक जादुई बोहेमियन एहसास जगाता है। यह स्प्रिंग स्टाइल को एक नया रूप देता है। फेस्टिवल लुक से लेकर सिटी फैशन तक यह कलेक्शन फैशन इतिहास के आइकॉनिक स्टाइल्स को ट्रिब्यूट देता है, जैसे कि ग्लैम रॉक संगीतकारों की फ्लोई ब्लाउज और न्यू रोमांटिक स्टाइलिंग की फ्लूइडिटी और एंड्रोगिनी। H&M की डिजाइन डायरेक्टर एलियाना मास्गालोस कहती हैं कि ₹इस सीजन में, हमने महिलाओं के जीवन के विभिन्न चरणों और पलों से प्रेरणा ली और नारीत्व की समृद्धि को सेलिब्रेट किया। हमने ऐसे असाधारण पीसेस ऑफर करने की कोशिश की, जो एनर्जी और लाइट लाएँ। इस कलेक्शन में हमने सुंदर बोहेमिया, रॉक आइकॉन्स और फेस्टिवल फ्रीडम को एक्सप्लोर करना चाहा। यह मूड एक नॉस्टैल्जिया है, जो अतीत और वर्तमान को आकर्षक तरीकों से मिलाता है। हेरलूम-स्टाइल पीसेस को एक शहरी और परिष्कृत अंदाज में अपडेट किया गया है। इसमें 70S, 90S और आज के समय, तीनों का मेल है। यह मूड बेपरवाह और फिर भी शार्पली कॉन्फिडेंट है। हर पीस एक एथेरियल और सेंसुअल बोहेमिया को दर्शाता है। यह कलेक्शन क्लासिक रॉक एन रोल स्टेपल्स से भरपूर है—वॉल्युमिनस शीयर ब्लाउजेस से लेकर लेस-अप शर्टिंग और ट्यूनिक्स तक। पीसेस में दिलचस्प टेक्सचरल डिटेलिंग चमकती है—कॉलर और कफ्स पर ऑर्नेट एजिंग, जटिलता से क्रोशिया ड्रेसेस, ब्रेडिंग या स्टिच एम्बेलिशमेंट्स वाले मिनी स्कर्ट्स, और अधिकतम मूवमेंट के लिए टीयर्ड लेजर-कट प्लीटेड रफल स्कर्ट्स।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में अप्रैल 2025 से नए नियम लागू

मुंबई। भारतीय बैंकिंग प्रणाली में 1 अप्रैल 2025 से कई नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिक ग्राहक हित के लिए ये नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों के तहत एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बड़े बैंकों में मिनिमम बैलेंस रखने के नियम बदल गए हैं। एसबीआई के नए नियम-सरकारी बैंकों में सबसे बड़ा बैंक एसबीआई ने अपने ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस रखने की नई नीति लागू की है। बड़े शहरों में एसबीआई खाता खुलवाने वाले ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 3000 रुपए है, छोटे शहरों में 2000 और गांव के बैंकों में 1000 रुपए।

अपने पहले इलेक्ट्रॉनिक्स प्रीमियर लीग की घोषणा करने के लिए है तैयार अमेजन इन

रांची। अमेजन इन अपने पहले इलेक्ट्रॉनिक्स प्रीमियर लीग की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें स्मार्टफोन, बड़े उपकरणों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीविजन के विस्तृत चयन पर टॉप ब्रांड्स की ओर से आकर्षक डील्स और ऑफर पेश किए जाएंगे। इसके अलावा, ग्राहक इस महीने किफायती विकल्पों के साथ अपने तकनीकी गेम को अपग्रेड कर सकते हैं, जिसमें नो कॉस्ट ईएमआई, इंस्टैंट बैंक छूट, एक्सचेंज बोनस और बहुत कुछ शामिल हैं। चाहे आप तकनीकी उत्साही हों या सही अपग्रेड की तलाश में हों, कई अन्य ब्रांड्स से अपने पसंदीदा गैजेट लेने का यह सही समय है। इस अवसर को हाथ से न जाने दें, यह सेल 26 मार्च 2025 तक लाइव रहेगी। इस इवेंट पर टिप्पणी करते हुए, जेबा खान, डायरेक्टर, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, अमेजन इंडिया, ने कहा 'क्रिकेट सीजन खेल प्रेमियों के लिए बेहतर अनुभव के लिए अपने तकनीकी सेटअप को अपडेट करने का एक अच्छा समय है। इस क्रिकेट का जश्न मनाने के लिए, हम 21 मार्च से इस प्रीमियर लीग लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह इवेंट स्मार्टफोन और एक्सेसरीज, अन्य उपकरणों के श्रेणियों में शानदार डील्स पेश करता है। यह समयबद्ध कार्यक्रम ग्राहकों को शीर्ष ब्रांड्स से शानदार डील व डिलीवरी प्रदान करता है।

अल्ट्रावायलेट टेसेरक्ट स्कूटर ने की धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली। अल्ट्रावायलेट टेसेरक्ट स्कूटर ने भारतीय बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में इस स्कूटर ने काफी कम समय में अपनी पहचान बना ली है। मात्र 14 दिनों में इस स्कूटर की 50,000 से अधिक बुकिंग्स हो चुकी हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। लॉन्च के पहले 48 घंटों में ही 20,000 से अधिक ग्राहकों ने इसे बुक कर लिया था। स्कूटर में 6 केडब्ल्यूएच बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर 261 किलोमीटर की आईडीसी क्लेम्ड रेंज प्रदान करती है। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 20 एचपी की पावर देती है और यह 2.9 सेकंड में 0 से 60 केएमपीएच की स्पीड पकड़ सकता है।

डीजे ब्रावो ने शिवांगी शर्मा के साथ मिलकर इंडिया का आईपीएल को रिलीज करने की घोषणा की

मुंबई। क्रिकेट प्रेमियों, तैयार हो जाइए, क्योंकि चैंपियन एक धमाकेदार ट्रैक के साथ वापस आ गया है। वेस्टइंडीज के दिग्गज और बेहतरीन वाइब किंग डीजे ब्रावो ने शिवांगी शर्मा के साथ मिलकर अपने गाने इंडिया का आईपीएल को रिलीज करने की घोषणा की है, जो एकमात्र इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को समर्पित है - एक ऐसी लीग जो सिर्फ क्रिकेट नहीं है, बल्कि रोमांच, जुनून और खेल भावना का एक पूरा उत्सव है। यह एक ऐसा एंथम है जो ऊर्जा से भरपूर पागलपन, महाकाव्य प्रतिद्वंद्विता, रोमांचक अंत और अटूट भाईचारे को दर्शाता है, जो आईपीएल को दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट तमाशा बनाते हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टी20 आइकन ने प्रशंसकों को गाने की एक झलक दिखाते हुए, पागलपन भरी धुनों, शानदार बोलों और ब्रावो के खास अंदाज के बारे में बताया। गीत के बारे में बताते हुए, डीजे ब्रावो कहते हैं तो यह मूल रूप से मेरा और शिवी (शिवांगी शर्मा) का पहला गीत रिलीज होने के बाद एक साथ दूसरा गीत है, हमने इसे करने का फैसला किया जिस पर हम पिछले साल से काम कर रहे थे और जब शिवी ने मुझे पहला ट्रायल भेजा तो मुझे तुरंत बीट पसंद आ गई, फिर हमने दो-तीन कोशिशें कीं लेकिन मुझे यह खुद पसंद आया क्योंकि हुक में मार्शल बैंड मेरे लिए अद्भुत और सुपर कैची है।

कृषि व्यवसाय में महिलाएं- अवसर और चुनौतियां रिपोर्ट लांच

मुंबई। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट), एक विविध अनुसंधान एवं विकास-केंद्रित खाद्य और कृषि-व्यवसाय समूह, ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) और गोदरेज डीईआई लैब के सहयोग से अपने दूसरे महिला कृषि शिखर सम्मेलन में कृषि व्यवसाय में महिलाएं - अवसर और चुनौतियां रिपोर्ट लॉन्च की। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, फिर भी केवल 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत ही शीर्ष कृषि और कृषि-संबंधित कंपनियों में कार्यरत हैं। इसमें कृषि व्यवसाय में समावेश, नवाचार और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई योग्य उपायों की रूपरेखा दी गई है। रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक बलराम सिंह यादव ने कहा, गोदरेज एग्रोवेट में, हम मानते हैं कि कृषि व्यवसाय का भविष्य शिक्षा, कार्यस्थल समावेशिता और नेतृत्व विकास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में निहित है। मेंटरशिप को बढ़ावा देकर, उद्योग की जरूरतों के साथ कौशल को जोड़कर और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य सार्थक बदलाव लाना और एक लचीला, न्यायसंगत क्षेत्र बनाना है। उन्होंने आगे कहा, पिछले साल, हमने कृषि मूल्य श्रृंखला में 100,000 महिलाओं को समर्थन देने का संकल्प लिया था, और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने सिर्फ.एक साल में 20,000 महिलाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। प्रशिक्षण, सुरक्षित स्थान बनाने और नेतृत्व को सक्षम बनाने के जरिये, हम एक सशक्त कृषि व्यवसाय समुदाय का निर्माण कर रहे हैं। आईआईएमए की फैकल्टी सदस्य प्रो. विद्या वेमिरेड्डी ने कहा, भारत में कृषि परिदृश्य हमें एक आश्चर्यजनक विरोधाभास के साथ प्रस्तुत करता है: महिलाएं कृषि कार्यबल और शैक्षिक समूहों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी स्नातकों का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक रोजगार संरचनाओं और नेतृत्व के पदों में प्रवेश नहीं करता है। यह अध्ययन कृषि व्यवसाय उद्यमों के भीतर औपचारिक रोजगार संबंधों में महिलाओं की भागीदारी के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान अंतराल को संबोधित करता है। रिपोर्ट कृषि में लैंगिक असमानताओं को पाटने के लिए एक रोडमैप प्रदान करती है। इसमें संसाधनों तक समान पहुंच, लिंग-संवेदनशील प्रशिक्षण और समावेशी कार्यस्थल सुधारों की मांग की गई है।

सेल दमदार है लेकिन रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है : ओला इलेक्ट्रिक

- पिछले महीने कंपनी ने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे

एजेंसी

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसकी बिक्री दमदार है। कंपनी आंकड़ों की कवायद मार्च के आखिर तक पूरा करने पर फोकस बनाए हुए है। सरकार के वाहन पोर्टल पर फरवरी के बिक्री के वास्तविक और घोषित आंकड़ों में विसंगतियां के बीच कंपनी ने यह जानकारी दी। इससे पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि उसने पिछले महीने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे। हालांकि वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक और 17 मार्च तक उसने केवल 8,651 स्कूटर पंजीकृत किए। कंपनी ने कहा कि हमारी बिक्री दमदार बनी हुई है और फरवरी के दौरान अस्थायी बैकलॉग का कारण विक्रेताओं के साथ चल रही हमारी बातचीत थी क्योंकि वाहन पंजीकरण का जिम्मा इन डीलर पर ही होता है। इस लंबित काम को तेजी से निपटाया जा रहा है और रोजाना के पंजीकरण हमारी तीन महीने की दैनिक बिक्री के औसत का 50 प्रतिशत से अधिक हैं। फरवरी के बैकलॉग का लगभग 40 प्र?तिशत पहले ही निपटा दिया गया है और शेष मार्च 2025 के अंत तक खत्म कर लिया जाएगा। 21 मार्च तक वाहन पोर्टल पर फरवरी की बिक्री का आंकड़ा 8,652 था।

खास खबर

युगांडा ने घोषित की 22 सदस्यीय फाइनल टीम

कंपाला। युगांडा की अंडर-17 राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (कब्स) के मुख्य कोच ब्रायन सेन्योंडो ने आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस अंडर 17 टूर्नामेंट के लिए अंतिम 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 मार्च से 19 अप्रैल 2025 तक मोरक्को में आयोजित किया जाएगा। युगांडा को ग्रुप ए में मेजबान मोरक्को, तंजानिया और जाम्बिया के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप 2025 (कतर) के लिए क्वालिफिकेशन का माध्यम भी है, जिसमें शीर्ष 10 अफ्रीकी टीमें वैश्विक टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी। युगांडा की टीम अपना पहला मुकाबला 30 मार्च को मोरक्को के खिलाफ एल बाचिर स्टेडियम में खेलेगी। गुरुवार शाम टीम युगांडा से मोरक्को के लिए रवाना हुई, जहां वे आगे की ट्रेनिंग और कुछ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मुकाबले खेलेंगे।

आईओसी सत्र की मेजबानी करेगा पुंटा काना

ग्रीस। डोमिनिकन गणराज्य का पुंटा काना आधिकारिक रूप से 2027 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र की मेजबानी करेगा। शुक्रवार को यहां आईओसी सदस्यों द्वारा मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया। यह पहली बार होगा जब डोमिनिकन गणराज्य इस महत्वपूर्ण आयोजन की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही, 38 वर्षों बाद ओलंपिक आंदोलन कैरेबियन क्षेत्र में लौटेगा। इससे पहले 1989 में प्यूर्टो रिको में 95वां आईओसी सत्र आयोजित किया गया था। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने पुंटा काना को मेजबान शहर के रूप में प्रस्तावित किया था। यह सिफारिश आईओसी सत्र मूल्यांकन आयोग द्वारा किए गए एक व्यवहार्यता अध्ययन पर आधारित थी, जिसका नेतृत्व आईओसी सदस्य सर मियांग नग ने किया था।

इंडोनेशिया फीबा एशिया कप के लिए तैयार

जकार्ता। इंडोनेशिया की 3७3 राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम के कोच फंदी एंडिका रमाधानी ने आशा व्यक्त की है कि उनकी टीम 2025 फीबा एशिया कप के मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करेगी।कोच ने शुक्रवार को इंडोनेशियाई बास्केटबॉल संघ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हमें उम्मीद है कि पुरुष और महिला दोनों टीमें मुख्य ड्रॉ में जगह बना सकेंगी।, 2025 फीबा एशिया कप 26 से 30 मार्च तक सिंगापुर के ओसीबीसी स्क्वायर में आयोजित किया जाएगा।रमाधानी ने बताया कि टीम की तैयारी को अधिकतम स्तर पर ले जाने के लिए वे रक्षात्मक मजबूती और शॉट सटीकता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि ये दोनों पहलू टीम की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वह इस साल के टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत करेंगे और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेंगे। इंडोनेशिया की पुरुष 3७3 राष्ट्रीय टीम क्वालीफाइंग राउंड के ग्रुप ए में मलेशिया, चीन के हांगकांग, बहरीन और गुआम के खिलाफ मुकाबला करेगी। वहीं, इंडोनेशिया की महिला राष्ट्रीय टीम ग्रुप डी में तुर्कमेनिस्तान, चीन के मकाओ और पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ खेलेगी।

केकेआर बनाम आरसीबी के उद्घाटन मुकाबले पर बारिश का साया

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बहुप्रतीक्षित उद्घाटन मुकाबले में बारिश बाधा डाल सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच यह मुकाबला शनिवार को ईडन गार्डन्स में खेला जाना है, लेकिन शहर में बीती रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। हालांकि, दोपहर के समय थोड़ी देर के लिए धूप निकली, जिससे मैच के बिना किसी रुकावट के होने की उम्मीद जगी। मौसम विभाग के अनुसार, शाम के समय रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम की मार से दोनों टीमों की तैयारियों पर भी असर पड़ा है।

शुक्रवार को बारिश के कारण केकेआर और आरसीबी की ट्रेनिंग सेशन बाधित हुई। इससे पहले सप्ताह में केकेआर का इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच भी बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका, जबकि बुधवार और गुरुवार को भी हल्की बारिश से ट्रेनिंग प्रभावित हुई। भारतीय मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के लिए ₹ऑरेंज अलर्ट₹ जारी किया है, जिससे संकेत मिलता है कि इस क्षेत्र में बारिश जारी रह सकती है। कोलकाता में पिछले कुछ दिनों से लगातार हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। आईपीएल नियमों के मुताबिक, लीग स्टेज के मैचों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय उपलब्ध रहेगा, ताकि कम से कम पांच ओवर प्रति पारी का खेल पूरा किया जा सके। यदि बारिश के कारण मैच नहीं हो पाता, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। मैच का टॉस शाम 7:00 बजे होगा, जबकि मुकाबले की शुरूआत 7:30 बजे से होनी है।इस मुकाबले के बाद केकेआर अपनी अगली भिड़ंत 26 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से करेगा, जबकि आरसीबी 28 मार्च को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेलेगा। इस मैच से पहले एक भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे इस नए आईपीएल सीजन की धमाकेदार शुरूआत होगी।

टीमें इस प्रकार

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) स्क्वाड

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), वेंकटेश अय्यर (उप-कप्तान), रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, रामांदीप सिंह, अंकृष रघुवंशी, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मयंक मार्कंडे, एनरिक नॉर्खिया, वैभव अरोड़ा, मनीष पांडे, लवनीत सिसोदिया (विकेटकीपर), अनुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, मोईन अली, चेतन सकारिया, स्पेंसर जॉनसन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) स्क्वाड

विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), स्वस्तिक चिकारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, फिलिप सॉल्ट, मनोज बंडागे, टिम डेविड, कृणाल पांड्या, लियाम लिविंगस्टोन, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, नुवान थुशारा, लुंगी एन्गिडी, यश दयाल, रासिख दर सलाम, सुयश शर्मा, मोहित राठी, अभिनंदन सिंह।

इंडियन ओपन अंडर 18 जंप प्रतियोगिता में समीर उरांव को रजत एवं रिजवानुल होदा को कांस्य पदक

रांची। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली अंजू बॉबी जॉर्ज हाइ परफोर्मेंस सेंटर,बंगलोर (कर्नाटक) में 22 मार्च को आयोजित 4थीं इंडियन ओपन जंप प्रतियोगिता अंतर्गत बालक अंडर 20 आयु वर्ग में रांची साईं के समीर उरांव ने ट्रिपल जंप में रजत पदक जीता। वहीं बालक अंडर 18 आयु वर्ग में बोकारो चंदनक्यारी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र केरिजवानुल होदा ने कांस्य पदक जीत राज्य

का नाम रौशन किया। इस उपलब्धि पर झारखंड एथलेटिक्स संघ प्लानिंग कमिटी के चेयरमैन डॉ मधुकांत पाठक, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी.डी. सिंह, सचिव शिव कुमार पांडेय, साईं एथलेटिक्स कोच विनोद सिंह,चंदन क्यारीसेंटर ऑफ एक्सीलेंस एथलेटिक्स सेंटर के कोच आशु भाटिया समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

राज्यस्तरीय कबड्डी का आयोजन धनबाद के लिए गौरव की बात : उमेश कुमार

धनबाद । दो दिवसीय 12वीं झारखण्ड राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का धनबाद में आयोजन जिले के लिए गौरव की बात है । उक्त बाते धनबाद के जिला खेल पदाधिकारी उमेश कुमार लोहरा ने प्रतियोगिता के उदघाट्न के अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज धनबाद में पूरे राज्य के 638 बालक एवं बालिका खिलाडियों ने भाग लेकर धनबाद की धरती को धन्य किया है, इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के द्वारा किया गया कार्य अनुकरणीय है। इस अवसर पर झारखंड स्टेट इंटर कॉलेज शिक्षक संघ के संरक्षक अरुण कुमार सिंह ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए दोनों वर्ग के विजेता को 10200/- रुपए नगद राशि (5100/ प्रति) एवं सभी तकनीकी पदाधिकारियों को

टी शर्ट देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, संचालन मानद चेयरमैन बिपिन कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव मदन कुमार राय ने किया। इस अवसर पर तेजनारायण, आलोक कुमार, प्रद्युम्न पांडे, प्रेम कुमार, संतोष कुमार, हैदर हुसैन, जिला खेल समन्वयक रिंकू कुमारी, जिला पर्यटन विशेषज्ञ संतोष जी, सागर कुमार सहित 22 जिलों के कबड्डी प्रशिक्षक एवं प्रबंधक उपस्थित हुए।

हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप

झारखंड टीम का विशेष प्रशिक्षण शिविर 26 से रांची में

रांची । 04 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक झांसी,उत्तरप्रदेश में आयोजित 15इँ हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025, झारखण्ड हॉकी टीम के भागीदारी हेतु झारखंड के हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल दिनांक 20 मार्च 2025 को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी, राँची में आयोजित हुई थी। इस चयन ट्रायल से चयनित खिलाड़ियों का विशेष प्रशिक्षण शिविर दिनांक 26 मार्च 2025 से रांची में होगी, विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित निम्नलिखित खिलाड़ी दिनांक 26 मार्च 2025 को प्रात 10.00 बजे हॉकी झारखंड के कार्यालय में रिपोर्ट करेंगे।

चयनित खिलाड़ीः लव लाइट कुजूर,विजय खेस,अनुरुद्ध भेंगरा, सचिन डुंगडुंग, ऋतिक लकड़ा,अमन दीपक तिग्गा,कमल बड़ाइक, विजय महतो, दीपक बारला,असीम तिर्की,जोसेफ कोंगाड़ी, दुगा मुंडा, डेनिस केरकेट्टा,,बिरसा ओड़िया, सेट टोपनो, बिलसन दोदराई,नीरज लकड़ा, जोसेफ टोपनो, डेविट धनवार, प्रेम केरकेट्टा, नोएल दोदराय, सुधारण पूर्ति, मनोहर मुंडू, माइकल टोपनो,अमृत तिर्की, भीमसेन किस्कू, सेम मुंडा , डेवनिस सोय, जुनुल पूर्ति, दिलबर बारला, लुदरा हस्सा पूर्ति, दानियाल सोय, सिमोन बोदरा, जय मसीह तुडी, नवीन केरकेट्टा, नामित दोदराय और दीपक सोरेंग है।

मशहूर हैवीवेट बॉक्सर फॉरमैन का निधन

वाशिंगटन। मशहूर हैवीवेट बॉक्सर जॉर्ज फॉरमैन का निधन हो गया है वह 76 वर्ष के थे, उनके परिवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की है। बिग जॉर्ज के नाम से मशहूर फॉरमैन ने 1960 के दशक में बॉक्सिंग में करियर शुरू किया था। उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता और दो बार विश्व हैवीवेट चैंपियन बने।उनकी पहली हार 1974 में मोहम्मद अली के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले में हुई थी, जिसे ह्यद रंबल इन द जंगलह्ल नाम दिया गया था। फॉरमैन के परिवार की ओर से कहा गया कि हमारा दिल टूट गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी अटूट विश्वास, विनम्रता और उद्देश्य से भरी हुई जी है।

भारतीय हॉकी सीनियर महिला कोचिंग कैंप के लिए हॉकी झारखंड के 10 सहित देश भर के 65 खिलाड़ी आमंत्रित

रांची। हॉकी इंडिया के द्वारा सीनियर महिला कोचिंग कैंप 23 से 30 मार्च तक 2025 तक साई सेंटर बैंगलुरु में शुरू होगा जिसमें देश भर के 65 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इन 65 खिलाड़ियों में हॉकी झारखंड से खेलने वाले 10 सहित झारखंड के कुल 13 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। हॉकी झारखंड से खेलने वाले 10 मे से 08 खिलाड़ी सिमडेगा जिला के और 02 खिलाड़ी खूंटी जिला की है ,निक्की प्रधान (खूंटी) सलीमा टेटे (सिमडेगा), संगीता कुमारी (सिमडेगा), ब्यूटी डुंगडुंग (सिमडेगा), दीपिका सोरेंग (सिमडेगा), महिमा टेटे (सिमडेगा), निक्की कुल्लू (सिमडेगा), अलबेला रानी टोप्पो(सिमडेगा), पिंकी एक्का (सिमडेगा), ,नीरू कुल्लू (सिमडेगा) । हॉकी झारखंड इन 10 खिलाड़ियों के अलावा झारखंड के और तीन खिलाड़ियों अंजना डुंगडुंग (सिमडेगा), सपना भेंगरा (खूंटी), और सेलेस्टीना होरो (खूंटी) को भी आमंत्रित किया गया जो वर्तमान समय में सई सेंटर कोलकाता में है और बंगाल टीम का प्रतिधित्व करते है। इन 65 खिलाड़ियों को 30 मार्च कैंप लेने के 40 खिलाड़ियों को कोर ग्रुप के लिए चयनित कर दिया जायेगा।ताकि भविष्य के कोचिंग कैंप और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए सीनियर महिलाओं का नया कोर ग्रुप बनाया जा सके। इसके अलावा 21 अप्रैल से 5 मई 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाले प्रशिक्षण और मैचों के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का चयन किया जाएगा। कोर ग्रुप के लिए चयनित 40 खिलाड़ियों के बाद बाकी बचे खिलाड़ियों को 31 मार्च 2025 को कैंप से रिलीज कर दिया जायेगा।

उपर्युक्त खिलाड़ियों में निक्की प्रधान, सलीमा टेटे ,संगीता कुमारी ,ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग पूर्व से टीम में रही है, जबकि नीरू कुल्लू और महिमा टेटे जूनियर भारतीय महिला टीम की हिस्सा रह चुकी है। झारखंड के इतने सारे खिलाड़ियों को सीनियर हॉकी कैंप के लिए चयनित होने पर हॉकी झारखंड, खेल विभाग और रेलवे के अधिकारियों ने खुशी जाहिर की है और समस्त खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

शुभमन, श्रेयस सहित यशस्वी जायसवाल भी बना सकते हैं आईपीएल में सबसे ज्यादा रन

एजेंसी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कौन सा क्रिकेटर सबसे अधिक रन बनाएगा। इसके लिए क्रिकेट विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी शुरू कर दी है। कुछ का मानना है कि रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाएंगे जबकि कुछ का मानना है कि शुभमन गिल या के एल राहुल सबसे अधिक रन बनाएंगे पर किसी ने भी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम नहीं लिया है जबकि विराट ने आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाये हैं। कुछ का

मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल भी सबसे अधिक रन बना सकते हैं। वहीं माइकल वॉन और शॉन पॉलक समेत सहित तीन विशेषज्ञा का मानना है कि बाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र में जमकर रन बनाएगा। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि पंजाव किंग्स से खेल रहे श्रेयस अय्यर सबसे अधिक रन बनाएंगे। महिला क्रिकेटर लिसा स्थालिकर के अनुसार रोहित इस बार सबसे अधिक रन बनाएंगे जबकि कमेंटेटर हर्षा भोगले और वीरेंद्र सहवाग ने केएल राहुल का नाम लिया है। एडम गिलक्रिस्ट के अनुसार श्रेयस सबसे अधिक रन बनायेंगे। वहीं मुरली कार्तिक ने शुभमन का नाम लिया है जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार यशस्वी जायस्वाल सबसे अधिक रन बनाएंगे।

इंटर स्कूल कॉलेज कराटे चैंपियनशिप आज

रांची । सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड एवं इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 23 मार्च को रांची के संत जोसेफ क्लब की मेजबानी में आयोजित इमा कप इंटर स्कूल एंड कॉलेज कराटे चैंपियनशिप की तैयारी पूरी कर ली गई है झारखंड के अलावा पड़ोसी राज्य के कराटे खिलाड़ी भी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं।चैंपियनशिप में 5 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लड़के लड़कियां महिला और पुरुष भाग लेंगे। बाहर से आए खिलाड़ियों की रहने की व्यवस्था रांची के विभिन्न होटलों में कर दी गई है। 60 स्वर्ण पदक जीतने के लिए सभी खिलाड़ी दम दिखाएंगे। पूरे चैंपियनशिप का संचालन कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के जज और रेफ्रियों के द्वारा किया जाएगा।कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेरमैन सह इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि इस चैंपियनशिप में 60 स्वर्ण पदक के लिए 320 खिलाड़ी आपस में भिड़ेंगे चैंपियनशिप के सफल संचालन के लिए राज्य भर से राष्ट्रीय जज एवं रेफरी इस चैंपियनशिप में शामिल होंगे चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व उप महापौर अजयनाथ शहदेव के द्वारा 11:30 बजे किया जाएगा। इन्होंने यह भी कहा कि रांची के रांची के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से लगभग 180 खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं।

खिलाड़ी काता स्पर्धा में आयु वर्ग से और कुमिते स्पर्धा में वजन वर्ग से इस चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इस चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले झारखंड के खिलाड़ी आगामी 3 और 4 मई को रांची के खेल गांव में आयोजित होने वाले ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता की अधिक जानकारी 98351 65518 पर ली जा सकती है।

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे: रिकी पोंटिंग

एजेंसी

1 नई दिल्ली। हम जीतने के लिए मैदान में उतरेंगे और कोई भी हमसे यह छीन नहीं सकता, यह कहना है पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम को खिताबी जीत की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू पीसीए स्टेडियम में आयोजित मेटा क्रिएटर्स इवेंट के दौरान अपनी रणनीति और टीम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस खास इवेंट में डिजिटल जगत के चर्चित नाम, जैसे झुमरू (अरुण सिंह), केशव आशीष, आदित्य शुक्ला और सुकृति शामिल हुए, जिन्होंने आगामी सीजन में टीम की मानसिकता और संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास किया। पंजाब किंग्स के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर सौरभ अरोड़ा ने इस इवेंट की सराहना करते हुए कहा, ₹हम क्रिकेट, संस्कृति और हमारी नई टीम को लेकर डिजिटल क्रिएटर्स को एक मंच पर लाकर गर्व महसूस कर रहे हैं। साथ ही मुल्लांपुर स्थित अत्याधुनिक न्यू पीसीए स्टेडियम का परिचय कराना हमारे समुदाय-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम टूर के जरिए क्रिएटर्स को विश्वस्तरीय सुविधाओं का अनुभव मिला, जो पंजाब किंग्स की मैदान के अंदर और बाहर की उत्कृष्टता को दर्शाता है। पोंटिंग ने स्पष्ट किया कि टीम का प्राथमिक लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाना है। उन्होंने बताया, धर्मशाला में हमारे ट्रेनिंग कैंप के पहले ही दिन

मैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने जा रहे हैं। यह प्रक्रिया रातों-रात नहीं होती, इसे निरंतर मेहनत से तैयार करना होता है। टीम में विजयी मानसिकता विकसित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ₹जीतना एक मानसिकता है। हमें हर मैच में यह भावना रखनी होगी कि विरोधी हमसे कुछ छीनने आए हैं और हम ऐसा होने नहीं देंगे। इस सीजन में पंजाब किंग्स की टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार है। पोंटिंग ने कुछ युवा खिलाड़ियों की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने अब तक की ट्रेनिंग में प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ₹प्रियांश आर्य एक संभावित सलामी बल्लेबाज के रूप में उभर रहे हैं। इसी तरह सूर्यांश शेज भी हमारे प्रशिक्षण सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आगे जोड़ा, ₹मुशीर खान भी एक ऐसा नाम है जिसने अपनी ऊर्जा और जज्बे से मुझे प्रभावित किया है। उसका रवैया टीम के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। पोंटिंग ने कहा कि वे टीम में विदेशी खिलाड़ियों को सही उदाहरण पेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹बहुत से युवा भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों को आदर्श मानते हैं, इसलिए अगर वे सही दिशा में चलते हैं, तो पूरी टीम बेहतर बनती है। मैं चाहता हूं कि हमारे विदेशी खिलाड़ी नेतृत्व करें और उदाहरण स्थापित करें। पंजाब किंग्स अपना आईपीएल सीजन 18 का पहला मुकाबला 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वे लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेंगी। टीम फिर अपने घरेलू मैदान न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ लौटेगी, जहां वे राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो महत्वपूर्ण मैच खेलेंगी।

पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के नानजिंग में 2025 विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की ऊंची कूद के फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करते न्यूजीलैंड के हैमिश केर ।

डैंड्रफ से ऐसे पाएं छुटकारा

डैंड्रफ होना एक आम समस्या है। इस कारण बालों में खुजली की परेशानी भी होने लगती है। अगर समय रहते रूसी की समस्या का इलाज न किया जाए तो मुंहासों की समस्या भी हो जाती है। रूसी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू नुस्खे भी आजमा सकते हैं। रूसी की समस्या से निपटने के लिए आप हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। होममेड हेयर मास्क को प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। ये हेयर मास्क बालों को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं। रूसी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप किस तरह के हेयर मास्क बना सकते हैं आइए जानें।

नीम तेल व नींबू रस का हेयर मास्क

एक बाउल में 2 से 3 चम्मच नीम का तेल लें। इसमें नींबू का रस मिलाएं। इन दोनों चीजों को एक साथ मिलाएं। इसे मिश्रण को स्कैल्प पर लगाएं। इससे कुछ देर बालों की मसाज करें। इसे 30 से 40 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें। इसके बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। आप हफ्ते में 1 से 2 बार इस हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं।

जैतून तेल व दही का मास्क

एक बड़े बाउल में आधा कप दही लें। इसमें 1 से 2 चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इससे स्कैल्प की कुछ देर तक मसाज करें। अब बालों को लूज बन में बांध लें। इसके बाद शावर कैप पहन लें। इसे 30 से 40 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। आप इस हेयर मास्क का इस्तेमाल हफ्ते में 1 से 2 बार कर सकते हैं।

एलोवेरा व टी ट्री एसेंशियल ऑयल मास्क

एक बाउल में 1 से 2 चम्मच एलोवेरा जेल लें। इसमें टी ट्री एसेंशियल ऑयल की 8 से 10 बूंदे डालें। इन सारी चीजों को अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को पूरे स्कैल्प पर लगाएं। इस हेयर मास्क को बालों में एक घंटे के लिए लगा रहने दें। इसके बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। आप इस हेयर मास्क का इस्तेमाल हफ्ते में 1 से 2 बार कर सकते हैं।

नारियल तेल और मेथी का हेयर मास्क

एक बाउल में एक मुट्ठी मेथी को रातभर के लिए भिगो दें। अगली सुबह मेथी का पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में 2 से 3 चम्मच नारियल का तेल डालें। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। इस हेयर मास्क को स्कैल्प और बालों में लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। आप हफ्ते में 1 से 2 बार इस हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गुलाब का पेड़ घर के आगे लगाना कितना सही है?

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार जानें

घर के आगे गुलाब का पेड़ लगाना चाहिए कि नहीं ये सवाल गुलाब लगाने से पहले अक्सर लोग नहीं सोचते। लेकिन इस सवाल पर दो अलग-अलग पक्ष सामने आते हैं। पहला पक्ष, फेंगशुई का है, जिसके अनुसार गुलाब का पेड़ लगाना, घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने वाला माना जाता है, जो आपके घर को उज्जवल, चंचल और गर्म बनाने में मदद करता है। यानी कि एक खुशहाल और जीवंत माहौल। लेकिन, दूसरा पक्ष इसे वास्तु से जोड़ता है और बताता है कि घर के सामने कांटेदार पौधे लगाने से बचना चाहिए क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। जानते हैं दोनों ही पक्षों के बारे में विस्तार से।

घर के आगे गुलाब का पेड़ लगाना, घर में विवादों का कारण बन सकता है। ये लोगों के बीच उलझन पैदा करता है और कई बार मनभेदों का कारण बन सकता है। दरअसल, घर के आगे ऐसे कांटेदार पौधे लगाना जिंदगी में परेशानियां बढ़ा सकता है, इसलिए इसे घर के सामने लगाने से बचें।

घर के आगे गुलाब लगाना अच्छा

फेंगशुई के अनुसार गुलाब का पेड़ घर के आगे लगाना पॉजिटिव और एनर्जेटिव वाइब्स क्रिएट करता है। अगर ये लाल रंग है तो ये और भी एनर्जी से भरपूर माना जाता है। तो, सफेद गुलाब को आप शांति का संकेतक मान सकते हैं। इसलिए, इसे लगाना घर के साथ इसमें रहने वाले लोगों को खुशहाल रखने में भी मददगार माना जाता है। गुलाब उगाने के लिए सबसे अच्छी जगह है आपकी बालकनी और घर का नैऋत्य कोण। यानी कि इसे दक्षिण-

पश्चिम की दिशा में लगाएं। दरअसल, लाल फूलों वाले पौधों को रखने के लिए भी दक्षिण अनुकूल दिशा है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर के मालिक की सामाजिक स्थिति में वृद्धि होती है। साथ ही ये पारिवारिक संबंध बेहतर विकसित करने में भी मदद करते हैं। तो, अगर आपने अपने घर में गुलाब का पेड़ लगा रखा है या लगाने की सोच रहे हैं तो इसकी दिशा सही कर लें।

वजन भी घटेगा और स्टैमिना भी बढ़ेगा
रोजाना खाएं अंजीर

अंजीर का सेवन सूखाकर भी किया सकता है। अंजीर में कई सारे पोषक तत्व होते हैं। अंजीर में विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। ये स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। ये शरीर को एनर्जी प्रदान करने का काम करता है। इसका सेवन करने से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। इसका सेवन इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। अंजीर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आइए जानें अंजीर खाने के फायदे।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है

अंजीर में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। अंजीर का सेवन आपको कब्ज और पाचन संबंधी समस्याओं से बचाने का काम करता है। अंजीर प्रीबायोटिक्स का भी एक बेहतरीन स्त्रोत है। अंजीर का सेवन आंतों को स्वस्थ रखने का काम करता है।

स्टैमिना बढ़ाने का काम करता है

अंजीर आयरन और पोटैशियम से भरपूर होता है। ये पोषक तत्व स्टैमिना बढ़ाने में मदद करता हैं। ये ऊर्जा को कम करने में मदद करता है। एक अंजीर को एक गिलास दूध में उबालकर सुबह इसका सेवन करें। अंजीर का सेवन स्टैमिना बढ़ाने का काम करता है।

वजन घटाने में मदद करता है

ताजे या सूखे हुए अंजीर का सेवन करें। अंजीर का सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है। इसका सेवन करने से आपको देर तक भरा हुआ महसूस होता है। इसका सेवन करने से आपको भूख कम लगती है। इसके सेवन करने से आप अनहेल्दी खाने को अवॉइड करते हैं। इस प्रकार इसका सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिलती है।

बालों को बढ़ाने में मदद करता है

अंजीर में कई सारे पोषक तत्व होते हैं। इसमें मैग्नीशियम, विटामिन सी और विटामिन ई होता है। ये बालों को तेजी से बढ़ाने का काम करता है। ये पोषक तत्व स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करते हैं। इससे तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है

अंजीर में पोटैशियम अधिक मात्रा में होता है। अंजीर का सेवन हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में करने में मदद करता है। अंजीर में फाइबर होता है। ये सिस्टम से अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालने का काम करता है।

सुबह के नाश्ते में खाएं सत्तू के पराठे

सुबह के नाश्ते में आप न सिर्फ तीखा बल्कि कुरकुरी रेसिपी भी खा सकते हैं। इस सीजन आप सत्तू पराठे का स्वाद ले सकते हैं। यह पराठा आपका पेट भरा रखता है। यह पराठा सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद होता है। यह प्रोटीन से भी भरपूर होता है। तो आइए जानते हैं इसकी रेसिपी के बारे में...

सामग्री

मैदा - 3 कप, प्याज - 2-3, लहसुन की कलियाँ - 6-7, धनिया - 1 कप, हरी मिर्च - 2-3 बड़े चम्मच, तेल ज़रूरत अनुसार, नींबू का रस - 2 बड़े चम्मच, सत्तू - 2 कप, नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट लें। इसके बाद मैदा को मिलाकर 10 मिनट के लिए ढककर रख दें। पराठे का मिश्रण तैयार कर लीजिए। मिश्रण के लिए प्याज़, हरी मिर्च, हरा धनिया, लहसुन काट कर सत्तू में मिला लें। मिश्रण में नींबू का रस मिलाएं। अब इसमें सत्तू डालें। सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। तैयार आटे से लोई बना लें। आटे के गोले में मिश्रण भरकर परांठे बेल लें। बचे हुए आटे से भी इसी तरह लोई बनाकर तैयार कर लीजिए। मिश्रण को बॉल्स में मिलाएं। एक पैन गरम करें और उस पर पराठे तलें। एक तरफ से पकने के बाद तेल लगाएं। इसी तरह दूसरी तरफ भी तेल लगाएं। पराठों को दोनों तरफ से ब्राउन होने तक सेक लें। आपके परांठे बनकर तैयार हैं। दही या हरी चटनी के साथ गरमागरम परोसें।

दिनभर ऊर्जावान रहने के लिए
रोजाना खाएं अंकुरित अनाज

हेल्दी नाश्ता आपको दिनभर ऊर्जावान रखने का काम करता है। आप नाश्ते में बीन स्प्राउट्स शामिल कर सकते हैं। इन्हें टमाटर, प्याज, मिर्च, या नींबू जैसी चीजों का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। बीन स्प्राउट्स का सेवन करने से आपकी सेहत को कई फायदे मिलते हैं।

पाचन में सुधार - बीन स्प्राउट्स में अघुलनशील फाइबर होता है। स्प्राउट्स का सेवन आंतों को स्वस्थ रखने का काम करता है। ये कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। बीन स्प्राउट्स का सेवन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने का काम करता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आप बीन स्प्राउट्स का सेवन भी नियमित रूप से कर सकते हैं।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए - बीन स्प्राउट्स का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। ये हृदय संबंधित समस्याओं से बचाने का काम करते हैं। ये ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। बीन स्प्राउट्स हृदय को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए - स्प्राउट्स विटामिन का एक बेहतरीन स्त्रोत हैं। बीन स्प्राउट्स हड्डियों को मजबूत बनाने का काम भी करते हैं। ये हड्डियों संबंधित समस्याओं से बचाने का काम करते हैं। ये ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करते हैं। आप इन्हें भी डाइट शामिल कर सकते हैं।

वजन घटाने के लिए - वजन घटाने वाली डाइट में आप बीन स्प्राउट्स शामिल कर सकते हैं। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसमें फाइबर और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व होते हैं। इनमें कैलोरी बहुत ही कम मात्रा में होती है। ये तेजी से वजन घटाने में मदद करते हैं।

बेस्ट रिलेशनशिप की बात की जाए, तो इसमें प्यार, विश्वास, भरोसा और एक-दूसरे को लेकर समझ काफी महत्वपूर्ण है। आप केवल अपने साथी के साथ गहराई से और ईमानदारी से बात करके ही जान पाएंगे, कि आखिर में वह कितना बेहतर इंसान है। देखा जाए, तो रिलेशनशिप को लेकर कोई ऐसी थ्योरी नहीं है जो किसी भी रिश्ते को परफेक्ट बना सकते लेकिन एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार करते हुए छोटी-छोटी कोशिशें बहुत मायने रखती हैं। ऐसे में आपको ये टिप्स भी जरूर जानने चाहिए-

अपनाएं ये तकनीक
रिलेशनशिप में आएगी मिठास

अच्छी बातचीत करें

अच्छी बातचीत किसी भी रिश्ते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब दोनों लोग जानते हैं कि वे रिश्ते से क्या चाहते हैं और अपनी जरूरतों, आशंकाओं और इच्छाओं को व्यक्त करने में सहज महसूस करते हैं, तो यह विश्वास बढ़ाता है और आपके बीच के रिश्ते को मजबूत कर सकता है। ऐसे में दिन में कम से कम कुछ घंटेतो एक दूसरे के लिए रिजर्व करें।

क्वालिटी टाइम बिताएं

एक साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए टाइम निकालें। आप कितने भी बिजी क्यों न हों। अपने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अलग रखने के लिए हर दिन कुछ मिनट निकालें। इस दौरान दूसरी चीजों के बारे में सोचना बंद करें और अपने पार्टनर पर ध्यान दें।

नयी चीजें ट्राई करें

साथ में कुछ नया ट्राई करें। नई चीजें एक साथ करना चीजों को जोड़ने और दिलचस्प बनाए रखने का एक मजेदार तरीका हो सकता है। किसी ऐसी जगह पर एक दिन के लिए जाएं, जहां जाकर आप दोनों को अच्छा लगता है। नई जगहों को भी एक्सप्लोर करने को तैयार रहें।

मेमोरी लेन की सैर करें

मेमोरी लेन यानी आप दोनों की पुरानी मीठी यादें। जैसे, आप कब पहली बार मिले थे। शादी के वक्त आपके मन में क्या चल रहा था या कोई फनी किस्से को पार्टनर के साथ एक बार फिर से शेयर करें। इससे आप दोनों को काफी रिफ्रेशिंग फील होगा।

ज्यादा चुप्पी या लड़ना दोनों सही नहीं

कुछ जोड़े चुपचाप बातें करते हैं, जबकि कुछ अपनी बातों को सबसे ऊपर रखते हैं। ऐसे में दोनों के लिए बहुत जरूरी है कि किसी भी बात पर जिद्द पकड़कर न बैठ जाएं। एक-दूसरे के विचार को भी समझने की कोशिश करें, इससे कि आप आसानी से खुलकर बात कर सकें। कई कपल लड़ाई से घबराकर हर बात को स्वीकार कर लेते हैं या चुप हो जाते हैं, ये दोनों ही स्थिति आपके रिलेशनशिप के लिए खतरनाक है।

चाहिए सुकून की नींद घर में लगाएं ये प्लांट्स

नींद पूरी न होना आज आधुनिक युग की हेल्थ प्रॉब्लम बनती जा रही है। कई लोग तो ऐसे हैं जो नींद लाने के लिए स्लीपिंग पिल्स तक ले लेते हैं,लेकिन फिर भी उनकी नींद डिस्टर्ब रहती है बल्कि लगातार स्पीलिंग पिल्स लेने से उन्हें कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स होनी भी शुरू हो जाती है। ऐसे में पिल्स लेने की बजाय हमें अपने लाइफ स्टाइल में बदलाव करके देखना चाहिए। पॉजिटिव वाइब्स और आपकी नींद का ख्याल रखने के लिए कुछ प्लांट्स आपके घर में होने ही चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-से प्लांट्स हो सकते हैं हेल्पफुल-

स्नेक प्लांट

एयर क्वालिटी वजह है, जो आपके आसानी से और रात में सोने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। हम अपने बेडरूम को आमतौर पर ठंडा रखने के लिए एसी और कूलर का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इससे दरवाजा बहुत देर तक बंद रखने से आपके घर के आसपास हवा का संचार कम हो जाता है।

पीस लिली

बहुत ज्यादा नम हवा से कई सारे हेल्थ इश्यू हो सकते हैं, वहीं ड्रायनेस भी आपके कमरे के लिए सही नहीं है। ऐसे में बैलेंस करने के लिए पीस लिली बहुत ही अच्छा उपाय है। पीस लिली नमी को 5% तक बढ़ा सकती हैं, इससे आपको काफी अच्छा लगता है। पीस लिली को ज्यादा पानी या सूरज की रोशनी की जरूरत नहीं होगी, इसलिए आप इसे अपने बिस्तर के ठीक बगल में रख सकते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा सबसे पॉपुलर पौधा है। हेल्थ, हेयर और स्किन केयर के लिए इस पौधे को घर में लगाया जाता है। एलोवेरा रात के समय ऑक्सीजन बनाता है, जो आपके बेडरूम के वातावरण के लिए बहुत अच्छा है। एलोवेरा को दिन में एक बार सूरज की रोशनी जरूर दिखाएं।

अरेका पाम

अरेका पाम सबसे अच्छे एयर प्यूरीफायर में से एक है। स्नेक प्लांट की तरह इसमें हवा से विषाक्त पदार्थों को निकालने की बड़ी क्षमता होती है। अरेका पाम भी एक नेचुरल एयर ह्यूमिडिफायर है। इस पौधे को ज्यादा लाइट/सूरज की रोशनी की जरूरत नहीं होती है। बहुत तेज धूप में इसकी पत्तियां पीली हो जाएंगी। वसंत और गर्मियों के दौरान मिट्टी को नम रखें और सर्दियों में ज्यादा पानी न दें।

इंग्लिश आइवी

इंग्लिश आइवी एक ऐसा प्लांट है, जो आपकी आसपास की हवा को साफ करता है। यह फैला हुआ, पत्तेदार पौधा आपकी नींद का ख्याल रखता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इनडोर प्लांट होने के नाते इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती। आपको हफ्ते में एक दिन इसे पानी देना होता है।

दवा और एक्सरसाइज के बिना भी दूर हो सकता है स्ट्रेस

बस लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

आज अमूमन हर कोई कहीं न कहीं स्ट्रेस में डूबा रहता है। वजह कुछ भी हो सकती है, लेकिन इसका इलाज न किया जाए, तो डिप्रेशन तक की सिचुएशन बन सकती है। कई बार कुछ लोगों स्ट्रेस को फेस कर रहे होते हैं और उन्हें इसका अंदाजा भी नहीं होता। काम का प्रेशर, परिवार की समस्याएं और जिम्मेदारियों के बोझ में लोग इस कदर फंसे होते हैं कि वे इसकी वजह से स्ट्रेस का शिकार बन जाते हैं। ये एक तरह की दिमागी बीमारी है, जिसका लेवल अगर बढ़ जाए, तो इलाज में दवा तक खानी पड़ती है। मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स तो रोजाना एक्सरसाइज करने तक की सलाह देते हैं। वैसे दवा और एक्सराइज के अलावा लाइफस्टाइल में इन बदलावों को करके भी इस मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम को दूर किया जा सकता है। जानें वो तरीके जिन्हें आपको लाइफस्टाइल में बदवाल की तरह अपनाना चाहिए।

खुद से करें प्यार

मेंटल हेल्थ थैरेपी के दौरान भी ये सलाह दी जाती है कि खुद के लिए समय निकाले और खुद से प्यार करना शुरू करें। एक्सपर्ट कहते हैं वो तरीके अपनाएं, जो खुद को खुशी देते हो, अगर आप किताब को पढ़ना पसंद करते हैं, तो इस एक्टिविटी को दिन में एक बार जरूर करें। इसके अलावा घूमने से सुकून मिलता है, तो हफ्ते में एक बार घूमने जरूर जाएं।

पूरी नींद लें

किन्हीं कारणों से नींद नहीं ले पाते हैं और ये तरीका आदत बना हुआ है, तो इस स्थिति में आप स्ट्रेस का शिकार बन हो सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाने के लिए कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। रात में पूरी नींद लेने से दिनभर फ्रेश महसूस करने में मदद मिलती है।

सोशल नेटवर्किंग बढ़ाएं

अक्सर हम भीड़ में मौजूद होने के बावजूद अकेले होते हैं। मानसिक रूप से अकेलापन बहुत बीमार कर सकता है और इसका सबसे पहला लक्षम स्ट्रेस है। लोगो से कनेक्ट होने के लिए सोशल नेटवर्किंग को बढ़ाएं और अगर ये तरीका कामयाब हो जाता है, तो आपका स्ट्रेस काफी हद तक कम या दूर हो सकता है।

ब्रेक लें

काम का दवाब हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करता है। अधिकतर लोग चिंता किए बिना ऐसे रूटीन को फॉलो करते हैं और धीरे-धीरे वे मानसिक तौर पर बीमार होने लगते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक काम को करने के साथ-साथ इससे छोटा सा ब्रेक लेना भी जरूरी है।

जया बच्चन ने पीएम नरेंद्र मोदी को बताया पॉपुलर राजनेता

बॉलीवुड एक्ट्रेस जया बच्चन फिल्मों के साथ राजनीति में भी एक्टिव हैं। अक्सर देश के कई बड़े मुद्दों को वो संसद भवन में उठाती देखी गई हैं। कई इंटरव्यू में भी उन्होंने अपने विचारों को खुलकर सामने रखा है। अब एक्ट्रेस ने राजनीतिक पार्टियों को एक फिल्म स्टार से होने वाले फायदे के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि एक छोटा एक्टर भी किसी राजनेता से ज्यादा पॉपुलर होता है और जनता एक्टर को फॉलो करती है। जया बच्चन ने बातचीत में कहा, "एक्टर्स भी आकांक्षाओं वाले इंसान होते हैं और शायद एक एक्टर के तौर पर सफलता हासिल करने के बाद आप लोगों के लिए कुछ करना चाहते हैं।

जब आप किसी फिल्म एक्टर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा कहने के लिए मुझे माफ कीजिएगा, लेकिन आपको देखने चार आदमी भी नहीं आएंगे जब तक कि आप एक जाने-माने व्यक्ति न हों। लेकिन अगर कोई फिल्म एक्टर, चाहे वह छोटा ही क्यों न हो, आकर खड़ा होगा तो लोग उसे देखने आएंगे। वो आपको वोट दें या नहीं, यह उन पर निर्भर करता है, लेकिन वो आपको देखने जरूर आएंगे। राजनीति में लोग चाहते हैं कि भीड़ आए और उन्हें सुने, लेकिन पहले आपको उन्हें देखने जाना होगा और उसके बाद ही वे आपको सुन सकते हैं।

जया साल 2004 से राजनीति में हैं एक्टिव

आगे जब एंकर ने एक्ट्रेस से पूछा कि क्या राजनेता पॉपुलर नहीं होते? इसके जवाब में जया बच्चन ने कहा, "हां, जब तक कि आप श्री नरेंद्र मोदी न हों, एक्टर, राजनेताओं से ज्यादा पॉपुलर होते हैं।" बता दें, जया बच्चन साल 2004 से राजनीति में एक्टिव हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस अपनी फिल्मों पर भी काम करती हैं।

प्रियंका चोपड़ा महीने भर में दूसरी बार अकेले लौटीं मुंबई

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं प्रियंका चोपड़ा हाल ही में अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए आई थीं। मगर बीच में वह एक बार और भारत आई थीं। उन्हें हैदराबाद में देखा गया था। क्योंकि एसएस राजामौली की फिल्म में महेश बाबू के साथ वह काम कर रही हैं। अब शायद उसी के लिए वह फिर से मुंबई पहुंची हैं। उन्हें कलीना एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। मगर यहां लोगों की नजर उन पर नहीं, बल्कि उनके पेट पर अटकी रही।

प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस से शादी की और सेरोगेसी के जरिए बेटी मांलती मैरी चोपड़ा जोनस की मां बनीं। वह लॉस एंजेलिस में रहती हैं और कुछ हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भी कर रही हैं। अब उन्हें 19 मार्च को मुंबई के प्राइवेट एयरपोर्ट पर देखा गया। जहां उन्हें लेने एक लाल रंग की चमचमाती ऑडी पहुंची थी।

इस दौरान उन्होंने को-ऑर्ड सेट पहना था और काला चश्मा लगाया था। प्रियंका चोपड़ा ने काफी समय पहले नेवल (नाभि) पियर्सिंग करवाई थी। अब जब वह एयरपोर्ट पर दिखीं तो दूर से ही उनका पेट शाइन करने लगा। क्योंकि उन्होंने जो बेली बटन पहना था वो डायमंड का था और उसकी कीमत 2.7 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब एक्ट्रेस के इस वीडियो पर लोगों का भी भर-भरकर रिएक्शन आ रहा है।

'सिकंदर' में होगा 'गजनी' जैसा सरप्राइज

सलमान खान ईद के मौके पर दो साल बाद धूम मचाने आ रहे हैं। एआर मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बनी उनकी एक्शन फिल्म 'सिकंदर' रविवार, 30 मार्च, 2025 को रिलीज होने वाली है। साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी फिल्म को लेकर डायरेक्टर ने मजेदार खुलासे किए हैं। अब जब फिल्म की रिलीज को महज 10 दिन बचे हैं, मुरुगादॉस ने कहा कि 'सिकंदर' में उनकी फिल्म 'गजनी' की तरह ही सरप्राइज एलिमेंट होगा। फिल्म को जल्द ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा जाने वाला है। 'सिकंदर' का धमाकेदार टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म के तीनों गाने 'जोहरा जबीं', 'बम बम भोले' और 'सिकंदर नाचे' म्यूजिक स्ट्रीमिंग साइट्स और यूट्यूब पर लगातार ट्रेंड कर रहे हैं।

IMDb पर सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर 'सिकंदर' साल 2025 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। बाजार के जानकार मानकर चल रहे हैं कि यह फिल्म ओपनिंग डे पर 60 करोड़ रुपये से अधकि की ओपनिंग लेगी। इस बीच एआर मुरुगादॉस ने जानकारी दी है कि 'सिकंदर' का रनटाइम 2 घंटे 20 मिनट का है। फिल्म का पहला भाग लगभग 1 घंटा 15 मिनट का होगा, जबकि इंटरवल के बाद 1 घंटा 5 मिनट की फिल्म होगी। 'सिकंदर' के ट्रेलर को भी रिलीज करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। समझा जा रहा है कि 22 मार्च या 23 मार्च को फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर रिलीज के साथ ही फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। ट्रेलर तैयार हो चुका है। मुरुगादॉस कहते हैं, 'ट्रेलर के साथ, हमें फर्स्ट डे फर्स्ट शो के दर्शकों को संतुष्ट करना है। मैं यह बताना चाहता हूं कि यह सिर्फ एक आम आदमी की फिल्म नहीं है। यह ऐसी फिल्म है, जिसे आप बार-बार देखना चाहेंगे।'

सनी देओल बनेंगे फैमिली मैन

अपने एक्शन से दुश्मनों के छक्के छुड़ाने वाले अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'जाट' में भी सनी देओल जबरदस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। फिल्म के टीजर और अभिनेताओं के लुक को देखकर ये मालूम पड़ता है कि फिल्म जबरदस्त एक्शन से भरपूर होने वाली है। सनी देओल लगातार ही एक्शन फिल्म कर रहे हैं, जाट के अलावा वो 'बॉर्डर 2' में भी एक्शन करते दिखेंगे। हालांकि, अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि सनी देओल जल्द ही एक्शन से हटकर एक मध्यम वर्गीय परिवार के व्यक्ति के किरदार में नजर आने वाले हैं। सनी देओल अब एक्शन से अलग एक फिल्म में सामान्य परिवार के सामान्य व्यक्ति की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 'सफर' नाम की यह फिल्म एक पारिवारिक फिल्म हो सकती है, जिसमें सनी देओल एक्शन से इतर नजर आएंगे। ये भी जानकारी सामने आ रही है कि मेकर्स फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने का विचार बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में कोई एक्शन नहीं है। यह मध्यम आयु वर्ग के पारिवारिक व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे पता चलता है कि लोगों की मदद करके ही खुशी मिल सकती है और वह जीवन का सही अर्थ सीखता है।

मन्नारा चोपड़ा का डांस वीडियो देख घिनाया सबका मन

एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 17' में नजर आईं मन्नारा चोपड़ा इस वक्त 'लाफ्टर शेफ्स 2' में बतौर कंटेस्टेंट दिखाई दे रही हैं। वह अपने फेशियल एक्सप्रेशन्स और ड्रेसिंग सेंस को लेकर अक्सर आलोचना झेलती हैं। मगर सुधार रत्तीभर देखने को नहीं मिलता। उन्हें सलमान खान से लेकर तमाम लोगों ने बदलाव लाने को कहा लेकिन बार्बी हांडा के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। अब उन्होंने ऐसा डां वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद लोग उनसे इसे डिलीट करने के लिए कह रहे हैं। मन्नारा चोपड़ा ने होली के मौके पर अंकिता लोखंडे की पार्टी में धमाल मचाया था। खूब रंग खेला था। जो शायद अभी तक उतरा नहीं और उन्होंने उसी हाल में एक रील बनाकर शेयर कर दी, जिसके बाद तो कमेंट सेक्शन में यूजर्स ने जमकर आलोचना की और उन्हे इस वीडियो को फौरन डिलीट करने के लिए कहा। वह शॉर्ट टॉप और डेनिम में एक इंग्लिश सॉन्ग पर कभी फ्लाइंग किस दे रही हैं तो कभी अपने डांस मूव्स दिखा रही हैं। मन्नारा चोपड़ा जिस तरह से मुंह बना-बनाकर बोलती हैं, हर किसी को उनसे इरिटेशन होने लगती है। 'लाफ्टर शेफ्स 2' में भी वह इसी कारण हंसी का पात्र बनती हैं। साथ ही सुदेश लहरी के साथ इनकी जोड़ी बनी है, और ये जीतने के लिए जरा भी एफर्ट नहीं लगातीं, जिस कारण शेफ हरपाल सिंह से इन्हें फटकार भी लगती है। अब्दू रोजिक तक शो पर एक्ट्रेस की बेइज्जती कर देता है। लेकिन वह अपनी ही धुन में खोई रहती हैं। इस गाने में भी वह एकदम अजीब लग रही हैं। जिस वजह से ट्रोल हो रही हैं।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने बिंदी लगाकर किया पोस्ट, हो गईं ट्रोल

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की भारत में भी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस ने होली के मौके पर बिंदी लगाकर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और अपने भारतीय फैंस को शुभकामनाएं दीं तो यह बात पाकिस्तानी आवाम को हजम नहीं हुई। हानिया के तमाम फैंस और फॉलोअर्स भड़क गए और उन्होंने एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। हानिया ने अपनी तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ₹एक बुद्धिमान व्यक्ति एक बात मुद्दे की बात कहता है और फिर फालतू की बकवास नहीं सुनता। कोई बकवास नहीं देखता और इसीलिए मैं भी फालतू की बकवास नहीं करती हूं।

कैप्शन के आखिर में हानिया आमिर ने लिखा- साथ ही उन सभी लोगों की होली की शुभकामनाएं जो इसे सेलिब्रेट कर रहे हैं। हानिया के यह पोस्ट करते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें काफी तीव्र रिएक्शन दिया। जहां एक तरफ भारतीय फैंस ने उनकी काफी तारीफ की और प्यार लुटाया, वहीं पाकिस्तानी फॉलोअर्स का गुस्सा सातवें आसमान पर था। कमेंट सेक्शन में दोनों ही देशों को फॉलोअर्स आपस में भिड़ते दिखाई पड़े। जहां कई फैंस ने कहा कि वह मुस्लिम होकर बिंदी लगा रही है जो कि बहुत गलत है, तो वहीं दूसरों ने लिखा कि वह भारतीय फॉलोअर्स को इंप्रेस करने की कोशिश कर रही हैं। कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, ₹वह ये सब भारत में पॉपुलैरिटी हासिल करने के लिए कर रही है।₹ वहीं एक यूजर ने लिखा, ₹धर्मांतर करके हिंदू बन जाओ।₹ एक्ट्रेस के एक फॉलोअर ने लिखा, ₹डूब मरो। कम से कम रमजान में तो सुधर जाओ, पूरे साल तो तुम लोग वैसे भी हिंदू बने ही रहते हो।₹ एक सोशल मीडिया यूजर ने हानिया का सपोर्ट करते हुए लिखा, ₹मुझे किसी भी बात पर इतना गुस्सा नहीं आता जितना ऐसे अनपढ़ कमेंट पढ़कर आता है। कुछ चीजें धर्म से कहीं ऊपर होती हैं। जो लोग नफरत फैला रहे हैं उन्हें पता दूं कि इसे मानवता कहते हैं।

अनुराग कश्यप ने नेटफ्लिक्स को बताया 'पाखंडी' और 'बेईमान'

OTT पर हालिया रिलीज वेब सीरीज 'एडोलसेंस' की हर तरफ तारीफ हो रही है। सिंगल शॉट में शूट हुए 4 एपिसोड की यह सीरीज 'नेटफ्लक्सि' पर रिलीज हुई है। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी इस ब्रिटिश क्राइम ड्रामा सीरीज के कायल हो गए हैं। लेकिन इसी बहाने उन्होंने नेटफ्लिक्स इंडिया के अधकिारियों को खूब लताड़ लगाई है। अनुराग ने अधिकारियों को 'पाखंडी', 'बेईमान' और नैतिक रूप से 'भ्रष्ट' बताते हुए कहा है कि उनमें 'हिम्मत की कमी' है। नेटफ्लक्सि के साथ 'सेक्रेड गेम्स' जैसी शानदार वेब सीरीज बनाने वाले अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसकी शुरुआत उन्होंने 'एडोलसेंस' के निर्माताओं और एक्टर्स की तारीफ करते हुए की है। उन्होंने लिखा, 'मैं स्तब्ध हूं और ईर्ष्या से जल रहा हूं कि कोई ऐसा भी बना सकता है।' अनुराग ने वेब सीरीज में बारीक से बारीक चीज का भी ख्याल रखने के लिए इसके मेकर्स के 'साहस' की तारीफ की है। लिखा, 'यह किसी भी फिल्म या जो कुछ भी मैंने देखा है, उससे कहीं बेहतर है।'अपने पोस्ट में आगे, अनुराग कश्यप ने मौके का फायदा उठाते हुए नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस पर कटाक्ष किया। टेड ने बीते दिनों 'एडोलसेंस' की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था, 'कई बार एक ऐसी चीज आती है जो बिल्कुल नए आयाम में प्रवेश करती है, रचनात्मकता की सीमाओं को तोड़ती है और करियर को परिभाषित करने वाला प्रदर्शन करती है।'

अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी अक्षय कुमार की 'स्काय फोर्स'

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और वीर पहरिया की फिल्म स्काय फोर्स ने बॉक्स ऑफिस पर खूब तारीफें लूटें। इसी साल जनवरी में रिलीज हुई इस फिल्म को IMDb पर 10 में से 7 रेटिंग मिली थी और 160 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 168 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन अक्षय कुमार और वीर परहरिया के काम की खूब तारीफ हुई। सिनेमाघरों में कमाल करने के बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। तो अगर आप इसे बॉक्स ऑफिस पर एन्जॉय करने का मौका चूक गए हैं तो अब आप इसे घर बैठे अपने मोबाइल या स्मार्ट टीवी पर एन्जॉय कर सकते हैं। ओटीटी के जरिए यह फिल्म 240 देशों में रिलीज होने जा रही है। अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केलवानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 21 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म की कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच हुई एयरस्ट्राइक पर आधारित है। फिल्म की बात करें तो अक्षय कुमार ने इसके बारे में बताया, ₹स्काय फोर्स वो फिल्म है जिसके लिए मेरे दिल में बहुत खास जगह है। सच्ची घटनाओं पर आधारित होने के अलावा यह फिल्म एक्शन से कहीं ज्यादा डिलीवर करती है। यह फिल्म डीप इमोशन्स के बारे में है। यह फिल्म डीप इमोशन्स से लबरेज है और देश सेवा सेवा करने के जुनून और हमें एक साथ जोड़कर रखने के बारे में है।₹ फिल्म में अक्षय कुमार ने कुमार ओम आहूजा का किरदार निभाने का मौका मिलने को अपना सौभाग्य बताया। अक्षय ने कहा कि मैं बहुत रोमांचित हूं कि यह फिल्म

कार्तिक आर्यन ने 14 साल में कीं 18 फिल्में

कार्तिक आर्यन ने साल 2011 में आई फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी, लेकिन इसने कार्तिक को पहचान जरूर दिला दी थी। कार्तिक ने 14 साल में कुल 18 फिल्में की हैं। इनमें से दो फिल्में 'धमाका' (2021) और 'फ्रेडी' (2022) ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। एक शॉर्ट फिल्म थी और एक में कार्तिक ने कैमियो किया था। ऐसे में आज हम आपको सिनेमाघरों में रिलीज हुईं उनकी 13 फिल्मों का डेटा देने वाले हैं। उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट में 'प्यार का पंचनामा 2' (2015), 'सोनू के टीटू की स्वीटी' (2018), 'लुका छुपी' (2019), 'पति पत्नी और वो' (2019), 'भूल भुलैया 2' (2022), 'सत्य प्रेम की कथा' (2023) और 'भूल भुलैया 3' (2024) का नाम शामिल है। कार्तिक आर्यन की 'आकाशवाणी' (2013), 'कांचीः द अनब्रेकेबल' (2014), 'गेस्ट इन लंदन' (2017), 'लव आज कल' (2020), 'शहजादा' (2023) और 'चंदू चैंपियन' (2024) फ्लॉप साबित हुई हैं। 'भूल भुलैया 3' कार्तिक आर्यन के करियर की सबसे बड़ी हिट रही है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 389.28 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिंकविला की साल 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक आर्यन की नेटवर्थ 250 करोड़ रुपये है। कार्तिक आर्यन के रोमांटिक फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। इस फिल्म में उनके साथ श्रीलीला हैं। करण जौहर ने पिछले साल क्रिसमस के मौके पर कार्तिक आर्यन के साथ एक मूवी अनाउंस की थी। दोनों साथ में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का टाइटल तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी है। इस फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने 50 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है।

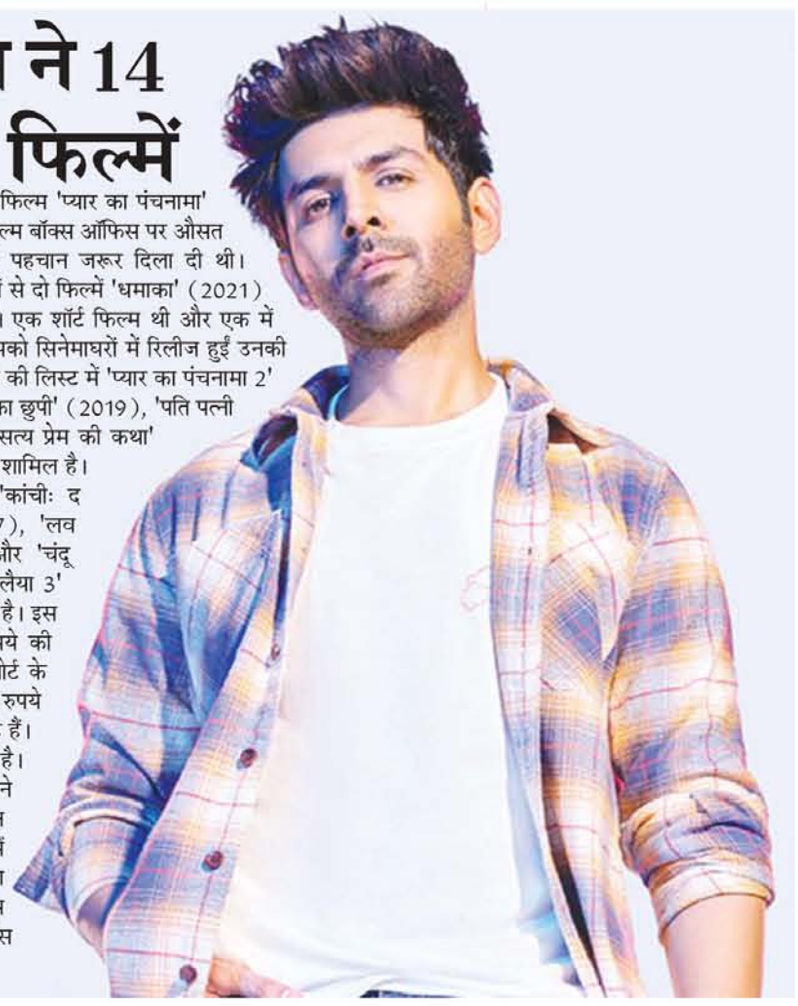

नोएडा शिल्प हाट में 25 से 27 मार्च तक होगा भव्य आयोजन, तैयारियों का लिया जायजा

नोएडा (चेतना मंच)। सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के केंद्र सरकार के 10 वर्ष तथा प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर आगामी 25 से 27 मार्च 2025 तक नोएडा शिल्प हाट सेक्टर 33 ए में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

शासन की उपलब्धियों, लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों, जनकल्याण की योजनाओं तथा परियोजनाओं के संबंध में आम जनमानस को अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम को जनपद गौतम बुद्ध नगर का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने आज नोएडा शिल्प हाट सेक्टर 33 ए नोएडा में पहुंचकर जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर पुलिस आयुक्त राजीव कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिला अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे तथा सम्बंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव ने आयोजित बैठक की समीक्षा करते हुए करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है इसलिए अधिकारीगण इसकी तैयारी में कोई कोर कसर न छोड़ें। सभी संबंधित विभागों के अधिकारी युद्ध स्तर पर अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान करें तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करें। शासन के द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया किया जाये।

प्रमुख सचिव ने इस दौरान शिल्पा हाट सेक्टर 33 ए नोएडा का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है इसमें बहुतायत की संख्या में आम जनमानस का आगमन होगा। इसलिए यहां पर पार्किंग एवं आम जनमानस के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारू रहे इस पर विशेष फोकस रखा जाए।

442 ओवरलोड वाहनों के चालान, 343 वाहनों को किया बंद

ओवरलोड वाहनों पर लगभग 208 लाख 98 हजार प्रशमन शुल्क वसूला गया

नोएडा (चेतना मंच)। परिवहन और खनन विभाग की जिला स्तरीय कार्यबल द्वारा ओवरलोड/अवैध परिवहन के विरुद्ध संयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई की गई। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण ने बताया कि वर्ष 2025 के जनवरी, फरवरी और मार्च माह में चलाए गए अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा से रोड़ी, गिट्टी, रेत आदि लादकर जनपद गौतमबुद्धनगर आने वाले 442 ओवरलोड वाहनों के चालान किए गए और 343 वाहनों को बंद किया गया।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में यह कार्रवाई इकोटेक-1, डीएनडी कालिंदी कुंज, चार मूर्ति, सिरसा कट, बिसरख, बादलपुर, नॉलेज पार्क सहित जनपद के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग समय पर की गई। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान ओवरलोड माल परिवहन के अतिरिक्त कई वाहनों में पंजीयन चिन्ह अस्पष्ट होने, निर्माण सामग्री त्रिपाल से न ढकी होने, रिफ्लेक्टर न लगे होने, फिटनेस/परमिट प्रमाणपत्र न होने तथा कर जमा न होने के कारण प्रवर्तन की कार्रवाई की गई।

इस अभियान के दौरान एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण, अभिषेक कनौजिया, विपिन चौधरी, जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी, यात्री कर अधिकारी राजेश मोहन, के.जी. संजय सहित पुलिस और प्रवर्तन कर्मी शामिल रहे।

उन्होंने यह भी बताया कि ओवरलोड वाहनों पर लगभग 208 लाख 98 हजार प्रशमन शुल्क वसूला गया। सभी चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन और परमिट निलंबन की संस्तुति की गई। उन्होंने वाहन स्वामियों को सचेत किया कि ओवरलोडिंग से वाहन का संतुलन बिगड़ता है, जिससे सड़क हादसों की संभावना बढ़ती है। सड़कों के मरम्मत व्यय में वृद्धि होती है, गाड़ी के टायर और इंजन की आयु कम हो जाती है और प्रदूषण भी बढ़ता है। यह अत्यंत हानिकारक है, अत: ओवरलोडिंग न करें। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार परिवहन विभाग गौतमबुद्धनगर के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा ओवरलोड एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

ग्रेनो प्राधिकरण में पांच अधिकारियों के निलंबन की संस्तुति, तीन निलंबित

नोएडा (चेतना मंच)। पतवाड़ी गांव में बिना भूमि अधिग्रहण किए भूखंड आवंटन के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद प्राधिकरण ने अपने पांच अधिकारियों को निलंबित करने की संस्तुति शासन से की है। इनमें से तीन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पतवाड़ी गांव में बिना अधिग्रहित भूमि पर एक भूखंड का आवंटन किया गया था। बाद में भूखंड का लीज़ प्लान तैयार कर लीज़ डीड भी करा दी गई। भूखंड का कब्जा देने के समय पता चला कि जिस स्थान पर भूखंड आवंटित किया गया है, वह भूमि प्राधिकरण के पास है ही नहीं। इस मामले में प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी आर. के. देव, यहां नियुक्त रहे एक तहसीलदार, वरिष्ठ प्रबंधक प्रवीण सलोनिया, प्रबंधक कमलेश कुमार चौधरी उर्फ डॉ. के. डी. मणी और लेखपाल श्रीपाल की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इस संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। उच्च न्यायालय ने प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब कर ली।

प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी वी. एस. ने बताया कि पांचों अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की संस्तुति शासन से की गई है। सूत्रों के अनुसार, के. डी. मणी, प्रवीण सलोनिया और श्रीपाल को निलंबित कर दिया गया है। प्रवीण सलोनिया फिलहाल नोएडा प्राधिकरण में नियुक्त हैं।

एमिटी विवि में विश्व कविता दिवस पर 'काव्य संध्या' का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व कविता दिवस पर छात्रों को सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित करने और अपने भावों को व्यक्त करने में कविता के महत्व को बताने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित 10वें ग्लोबल लीडरशिप रिसर्च सम्मेलन ''जीएलआरसी 2025'' के तत्वाधान में ''काव्य संध्या'' का आयोजन किया गया।

काव्य संध्या में कवि दिनेश रघुवंशी, डा श्रद्धा निकुंज भारद्वाज 'अश्क', डा दीपक शर्मा, रामकिशोर उपाध्याय, डा जगमोहन रॉय, डॉ विवेक गौतम और डॉ मधु मोहिनी उपाध्याय ने अपनी रचनाये प्रस्तुत की। कविता मंच का संचालन कवि और एमिटी बिजनेस स्कूल के डा कुमार आदित्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कवियों का स्वागत एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल द्वारा किया गया।

काव्य संध्या का प्रारंभ मंच संचालक डा कुमार आदित्य द्वारा गुरूवर के चरणों में प्रणाम करते हुए ''कैसे अदा करूं शुक्रिया तुम्हारा' से किया गया। इसके उपरांत डा श्रद्धा निकुंज भारद्वाज 'अश्क', ने काव्य पाठ करते हुए प्रेम गीत :हर दिल का अफसाना' और सोच की सारी हदों को को तोड़ना जैसी प्रेरक कवितायें सुनाई। महिलाओं और बालिकाओं को प्रेरित करते हुए उन्होनें ''पुरानी सोच को पीछे छोड़ आगे बढ़ना है कविता पाठ किया जिसे सभी द्वारा सराहा गया।

इस काव्य संध्या में कवि राम किशोर उपाध्याय ने जिंदगी को मस्ती से जीने का मजा कुछ और है के साथ यात्रा के दौरान डेन्यूब नदी और गंगा नदी के मध्य के संवाद को प्रस्तुत किया।

कवि दीपक शर्मा ने कविता के महत्व को बताते हुए महज अल्फाज से खिलवाड नही है कविता और लोगों के बदलते व्यवहार पर सामने कुछ है, कुछ और कहा करते है कविता का पाठ किया।

कवियत्री डॉ मधु मोहिनी उपाध्याय हिंदू नव वर्ष की बधाई देते हुए खुशी बेमिसाल मिले कोई ना बवाल मिले कविता का पाठ किया। इसके उपरांत प्रेम के ढाई अच्छरों की व्याख्या करते हुए छात्रों को कविताओं के रंग मे रंग दिया। इसके अतिरिक्त इस काव्य संध्या में अन्य कवियों द्वारा अपनी प्रस्तुती दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्रों और शिक्षकों ने कविताओं का लुत्फ उठाया।

कवियों का स्वागत एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल ने कहा कि जीवन में कविताये केवल अभिव्यिक्त का माध्यम ही नही बल्कि परंपरा को संरक्षित भी करती है। व्यापार और किसी भी ताकत से अधिक उर्जावान होती है कवितायों जो व्यक्तियों के मन को झकझोर कर उन्हे सही मार्ग पर ले आती है। एमिटी में इस काव्य संध्या के जरीए हमारा उददेश्य कवियों और उनकी रचनाओं के प्रति आदर प्रकट करना है।

पिता की बेरहमी से हत्या कर बेटा बना हत्यारा बीमा राशि पाने के लिए रची थी साजिश

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की कासना पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए मृतक के बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। 50 लाख की बीमा राशि हासिल करने के लालच में बेटे ने अपने पिता की बेरहमी से चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस गुत्थी को सुलझाया और आरोपी संतोष बोसक को दनकौर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 8 अगस्त 2024 को थाना कासना के जलालपुर के पास रघुनाथपुर गांव में मृतक प्रकाश बोसक की अज्ञात बदमाशों द्वारा हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्र कर मुकदमा दर्ज किया। जब पुलिस ने गहराई से छानबीन की, तो यह सामने आया कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि खुद बेटे संतोष ने की थी।

एडीसीपी सुधीर कुमार के अनुसार, मृतक प्रकाश और उसके बेटे संतोष ने 2022 में एक निजी बैंक से 12.5 लाख रुपये का होम लोन लिया था और बुलंदशहर में एक घर खरीदा था। बाद में उन्होंने 21 लाख रुपये का दूसरा लोन भी लिया, जिसमें से 7.69 लाख रुपये संतोष ने अपने मसाले के बिजनेस (PSG मसाला) में जमा किए। हालांकि, लोन की मासिक किश्त 27,000 रुपये थी, जिसे चुकाना मुश्किल हो रहा था। इसी बीच, संतोष को पता चला कि उसके पिता ने 50 लाख रुपये के दो जीवन बीमा करा रखे हैं, जिनकी नामिनी उसकी मां थी। इस बीमा राशि और लोन का 60 प्रतिशत बैंक को मिलने वाली बीमा रकम को देखकर संतोष ने अपने पिता की हत्या की योजना बनाई।

हत्या की योजना के तहत संतोष ने 8 अगस्त की सुबह अपने बैग में सब्जी काटने वाला चाकू रख लिया और पिता के साथ दिल्ली के लिए निकल गया। वापसी में उसने जानबूझकर कच्चे और सुनसान रास्ते से स्कूटी घुमा दी। जब वे ज्वार के खेत के पास पहुंचे, तो उसने पिता से कहा कि यहां पेशाब कर लें।

जैसे ही उसके पिता स्कूटी से उतरे और पेशाब करने लगे, संतोष ने पीछे से चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद, संतोष ने खुद की छाती पर भी एक कट लगाया ताकि लगे कि हमले में वह भी घायल हुआ है। उसने चाकू को झाड़ियों में छिपा दिया और पुलिस को झूठी कहानी बताई कि उसके पिता पर अज्ञात बदमाशों ने हमला किया।

हत्या के बाद, संतोष ने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया और तीन महीने के भीतर बीमा कंपनी से 50 लाख रुपये की राशि प्राप्त कर ली। यह पूरी रकम उसने अपनी मां के बैंक खाते में जमा करवाई और घरवालों को इसकी जानकारी तक नहीं दी।

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने सद्भावना यात्रा निकालकर मांगी भिक्षा

नोएडा (चेतना मंच)। सोशलिस्ट मंच ने सद्भावना पद यात्रा के तहत नोएडा के सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव में भिक्षाटन कार्यक्रम किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंच के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र अवाना, राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष देवेंद्र गुर्जर सन्नी गुर्जर प्रदेश सचिव मौजूद रहे। इस अवसर पर गांव के लोगों ने चावल, तेल के साथ ही आर्थिक सहयोग भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंच के जिलाध्यक्ष देवेंद्र गुर्जर के घर से की गई।इस मौके पर देवेन्द्र गुर्जर ने कहा की महात्मा बुद्ध के समाज में दिए गए शांति के उपदेश को देश दुनिया ने माना देश में भाईचारा स्थापित होगा तो देश उन्नति और प्रगति करेगा नफरत को मटकर प्यार और मोहब्बत का माहौल बनाकर ही हम देश ओर समाज का भला कर सकते हैं ।

मोरना गांव में भिक्षाटन प्राप्त खाद्य सामग्री से 23 मार्च को शहादत दिवस और लोहिया जयंती कार्यक्रम में प्रेम भोज किया जाएगा। युवाओं में देशभक्ति पैदा करने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। भाईचारा पैदा करने के लिए पदयात्रा निकाली जा रही है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com